Vastu Guruji
वास्तु हेतु संपर्क करें...
मो.नं. 9074110000 9770888888

दैनिक

साकार भारत

रायपुर-आरएनआई रजि. CHHBIL/2023/88684

वर्ष : 3 अंक : 223 | पृष्ठ : 8 मुल्यः 1:00 | रायपुर, रविवार 30 अगस्त, 2026 | www.sakarbharat.com

राष्ट्रीय खेल दिवस पर गुरुचरण सिंह होरा का खिलाड़ियों को सलाम, मेजर ध्यानचंद को श्रद्धांजलि

साय सरकार में छत्तीसगढ़ की खेल प्रतिभाओं को मिली नई उड़ान : गुरुचरण सिंह होरा

रायपुर। राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर छत्तीसगढ टेनिस एसोसिएशन के महासचिव गुरुचरण सिंह होरा ने प्रदेश के सभी खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और खेल प्रेमियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने हॉकी के महान खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और कहा कि उनका जीवन देश की युवा पीढ़ी के लिए खेल, अनुशासन, समर्पण और राष्ट्रप्रेम की प्रेरणा है।

होरा ने कहा कि राष्ट्रीय खेल दिवस केवल एक दिवस नहीं, बल्कि उन खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों के सम्मान का अवसर है, जो वर्षों तक मैदान में पसीना बहाकर प्रदेश और देश का नाम रोशन करते हैं। आज जरूरत है कि हर प्रतिभावान बच्चे को खेल का बेहतर मैदान, आधुनिक सुविधाएं और आगे बढ़ने का उचित अवसर मिले।

जोरा का टेनिस ग्राउंड से राजनांदगांव का हॉकी स्टेडियम तक

होरा ने कहा कि जोरा स्थित टेनिस ग्राउंड, प्रदेश की हॉकी सुविधाएं और राजनांदगांव स्थित हॉकी स्टेडियम जैसे खेल परिसर इस बात का उदाहरण हैं कि छत्तीसगढ़ अब खेल अधोसंरचना के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

साय सरकार का खेल विजन बदल रहा छत्तीसगढ़ की तस्वीर

गुरुचरण सिंह होरा ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश में खेलों को मिल रही प्राथमिकता की जमकर सराहना की। उन्होंने कहा कि साय सरकार का खेलों को लेकर विजन केवल प्रतियोगिताएं आयोजित करने तक सीमित नहीं है, बल्कि खिलाड़ियों के लिए आधुनिक खेल अधोसंरचना तैयार करने और उन्हें बेहतर अवसर उपलब्ध कराने पर भी जोर दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में जिस तरह अत्याधुनिक खेल सुविधाओं का विस्तार हो रहा है, उससे आने वाले समय में प्रदेश की खेल प्रतिभाओं को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाने में मदद मिलेगी।

उनके मुताबिक खिलाड़ियों को अगर विश्वस्तरीय मैदान और सुविधाएं मिलेंगी तो वे भी विश्वस्तरीय प्रदर्शन करने का सपना देख सकेंगे। खेल मैदान केवल खेलने की जगह नहीं होते, बल्कि यहीं से प्रदेश के भविष्य के चैंपियन तैयार होते हैं।

हीरा ने सीएम साय की तारीफ़ करते हुए बताया कि राष्ट्रीय खेल दिवस पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय 29 अगस्त को रायपुर में 82 खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और निर्णायकों को राज्य खेल अलंकरण प्रदान करेंगे। वहीं 5 टीमों के 43 खिलाड़ियों व प्रशिक्षकों को मुख्यमंत्री ट्रॉफी से सम्मानित किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि मेजर ध्यानचंद की खेल भावना और समर्पण को आदर्श बनाकर छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों को आगे बढ़ना चाहिए। राष्ट्रीय खेल दिवस पर होरा ने प्रदेश के हर खिलाड़ी, कोच और खेल प्रेमी को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि मैदान में बहने वाला पसीना ही भविष्य में पदक और प्रदेश का गौरव बनता है। छत्तीसगढ़ के खिलाड़ी आगे बढ़ें, जीतें और देश-दुनिया में प्रदेश का नाम रोशन करें—यही राष्ट्रीय खेल दिवस का सबसे बड़ा संकल्प होना चाहिए।

खेल मंत्री अरुण साव की भूमिका भी सराहनीय

खेल एवं युवा कल्याण मंत्री अरुण साव की कार्यशैली की प्रशंसा करते हुए होरा ने कहा कि खिलाड़ियों और खेल गतिविधियों को प्रोत्साहन देने की दिशा में विभाग की सक्रियता सकारात्मक संदेश दे रही है। उन्होंने कहा कि खेल आयोजनों को बढ़ावा देने, खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाने और खेल सुविधाओं को मजबूत करने की दिशा में सरकार का प्रयास निश्चित रूप से प्रदेश के खेल वातावरण को और मजबूत करेगा।

लक्ष्य–छत्तीसगढ़ के खिलाड़ी विश्व मंच पर लहराएं तिरंगा

गुरुचरण सिंह होरा ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और खेल मंत्री अरुण साव के नेतृत्व में खेलों को मिल रहा प्रोत्साहन छत्तीसगढ़ के लिए उम्मीद की नई किरण है। आधुनिक खेल मैदानों, बेहतर प्रशिक्षण और खिलाड़ियों के सम्मान की यह सोच प्रदेश को आने वाले समय में देश के प्रमुख खेल राज्यों की कतार में खड़ा कर सकती है।

खिलाड़ी ही प्रदेश की असली पहचान

होरा ने कहा कि छत्तीसगढ़ में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। जरूरत है तो सिर्फ उन्हें सही मंच, बेहतर प्रशिक्षण और पर्याप्त अवसर देने की। उन्होंने कहा कि एक खिलाड़ी की सफलता के पीछे उसके परिवार के साथ-साथ उसके कोच और पूरा खेल तंत्र भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसलिए राष्ट्रीय खेल दिवस पर खिलाड़ियों के साथ प्रशिक्षकों और कोच का सम्मान भी बेहद महत्वपूर्ण है। सम्मान से खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ता है और नई पीढ़ी को खेलों को करियर के रूप में चुनने की प्रेरणा मिलती है।

प्रधानमंत्री मोदी उज्बेकिस्तान की दो दिवसीय यात्रा पर हुए रवाना

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार सुबह उज्बेकिस्तान की यात्रा पर रवाना हुए। यह उनका दो दिवसीय दौरा है। उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति शौकत मिर्जियोयेव के निमंत्रण पर ताशकंद की यात्रा करेंगे। पीएम मोदी ने उज्बेकिस्तान के लिए रवाना होने से पहले लिखा, 'मैं 29 अगस्त से 1 सितंबर तक उज्बेकिस्तान और किर्गिज की यात्रा पर जा रहा हूं।

उन्होंने कहा कि हाल के वर्षों में भारत-उज्बेकिस्तान रणनीतिक साझेदारी में काफी प्रगति हुई है। मैं राष्ट्रपति मिर्जियोयेव के साथ व्यापार और निवेश, डिजिटल कनेक्टिविटी, रक्षा, ऊर्जा के क्षेत्रों में सहयोग को और गहरा करने व 'विकसित भारत' और 'यांगी उज्बेकिस्तान' के हमारे साझा विजन को आगे बढ़ाने पर चर्चा करने के लिए उत्सुक हूं।

उन्होंने कहा, मैं ताशकंद स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ ओरिएंटल स्टडीज में शास्त्री स्मारक और महात्मा गांधी केंद्र का भी दौरा करूंगा, जो हमारे दोनों देशों को जोड़ने वाले गहरे सांस्कृतिक और लोगों के बीच के संबंधों का प्रतीक है। यह प्रधानमंत्री मोदी की उज्बेकिस्तान की चौथी यात्रा होगी। यात्रा के दौरान पीएम मोदी राष्ट्रपति मिर्जियोयेव के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता करेंगे, जिसका उद्देश्य दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करना है। प्रधानमंत्री मोदी एक सितंबर को किर्गिज का भी दौरा करेंगे। उन्होंने कहा, किर्गिज के राष्ट्रपति सादिर झापारोव के निमंत्रण पर मैं 26वें एससीओ शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए बिश्केक जाऊंगा। यह सम्मेलन इस महत्वपूर्ण संगठन के 25 साल पूरे होने का प्रतीक है।

राष्ट्रीय खेल दिवस पर वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने खिलाड़ियों को दी शुभकामनाएं

रायपुर। छत्तीसगढ़ के वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी ने राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर देश के सभी खिलाड़ियों, खेल प्रेमियों एवं खेल जगत से जुड़े लोगों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

वित्त मंत्री चौधरी ने कहा कि खेल केवल पदक जीतने का माध्यम नहीं हैं, बल्कि यह अनुशासन, समर्पण, मेहनत, आत्मविश्वास और टीम भावना जैसे गुणों को विकसित करने का सशक्त माध्यम हैं। खेल व्यक्ति के शारीरिक एवं मानसिक विकास के साथ राष्ट्र निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय खेल दिवस हमें खेलों के प्रति जागरूकता बढ़ाने और युवाओं को खेलों से जोड़ने की प्रेरणा देता है। खेल प्रतिभाओं को उचित अवसर, संसाधन और प्रोत्साहन देकर भारत को खेल के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया जा सकता है।

मंत्री ओपी चौधरी ने देशवासियों, विशेषकर युवाओं से खेल को अपनी जीवनशैली का हिस्सा बनाने का आह्वान करते हुए कहा कि स्वस्थ नागरिक ही सशक्त राष्ट्र की मजबूत नींव होते हैं। उन्होंने सभी से स्वस्थ, सशक्त और विजयी भारत के संकल्प को आगे बढ़ाने में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करने की अपील की। उन्होंने कहा कि हमारे खिलाड़ियों की मेहनत और उपलब्धियां देश का गौरव बढ़ाती हैं। खेलों को जन-जन तक पहुंचाने और नई प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने से भारत की खेल शक्ति और मजबूत होगी।

रायपुर में विश्वभारती मारुति सुजुकी ड्राइविंग स्कूल शुरू, 10 वर्षीय जगराज ने सिम्युलेटर पर लिया ड्राइविंग अनुभव

रायपुर। राजधानी रायपुर में विश्वभारती मारुति सुजुकी ड्राइविंग स्कूल की शुरुआत की गई। शुभारंभ कार्यक्रम में ड्राइविंग प्रशिक्षण के लिए उपलब्ध आधुनिक सुविधाओं और तकनीकों का प्रदर्शन किया गया। संस्थान में लोगों को वाहन चलाने के साथ यातायात नियमों, सड़क सुरक्षा और जिम्मेदार ड्राइविंग का प्रशिक्षण दिया जाएगा। ड्राइविंग स्कूल का मुख्य उद्देश्य नए वाहन चालकों को सुरक्षित और जिम्मेदार ड्राइविंग के लिए तैयार करना है। प्रशिक्षण के दौरान वाहन संचालन की बुनियादी जानकारी के साथ सड़क संकेतों, यातायात नियमों, सुरक्षित ड्राइविंग व्यवहार और दुर्घटनाओं से बचाव जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर ध्यान दिया जाएगा।

सिम्युलेटर पर जगराज ने लिया ड्राइविंग का अनुभव

शुभारंभ कार्यक्रम के दौरान 10 वर्षीय जगराज ने ड्राइविंग सिम्युलेटर पर बैठकर वाहन संचालन का अनुभव लिया। आधुनिक सिम्युलेटर के माध्यम से उन्हें नियंत्रित वातावरण में ड्राइविंग की बुनियादी प्रक्रिया और यातायात नियमों से जुड़े पहलुओं को समझने का अवसर मिला। सिम्युलेटर वास्तविक सड़क पर वाहन चलाने का विकल्प नहीं है, बल्कि प्रशिक्षण और जागरूकता के लिए इस्तेमाल की जाने वाली तकनीक है। इसके माध्यम से अलग-अलग सड़क परिस्थितियों और ड्राइविंग से जुड़े व्यवहार को सुरक्षित तरीके से समझाया जा सकता है। जगराज के सिम्युलेटर अनुभव के जरिए कार्यक्रम में बच्चों और अभिभावकों को भी सड़क सुरक्षा का संदेश दिया गया। कम उम्र के बच्चों को वास्तविक वाहन चलाने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। भारत में सार्वजनिक सड़कों पर वाहन चलाने के लिए निर्धारित कानूनी उम्र और वैध ड्राइविंग लाइसेंस जरूरी है। ड्राइविंग स्कूल में प्रशिक्षण के दौरान यातायात नियमों के पालन, सड़क संकेतों की पहचान, वाहन नियंत्रण और जिम्मेदार ड्राइविंग आदतों को प्राथमिकता दी जाएगी। प्रशिक्षणार्थियों को यह भी बताया जाएगा कि सड़क पर वाहन चलाते समय अपनी सुरक्षा के साथ अन्य वाहन चालकों और पैदल राहगीरों की सुरक्षा का ध्यान रखना भी जरूरी है। संस्थान में आधुनिक तकनीक और व्यावहारिक प्रशिक्षण के जरिए नए वाहन चालकों को बेहतर ड्राइविंग अनुभव देने का प्रयास किया जाएगा। आयोजकों के अनुसार, सुरक्षित ड्राइविंग की आदतों को बढ़ावा देने और सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने में यह प्रशिक्षण केंद्र महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

छत्तीसगढ़ में उच्च शिक्षा का 'नया सवेरा': कौशल, अनुसंधान और रोजगार से गढ़ा जा रहा भविष्य

रायपुर। छत्तीसगढ़ में उच्च शिक्षा की तस्वीर अब केवल किताबों और कक्षाओं तक सीमित नहीं रही, बल्कि यह कौशल, तकनीक और रोजगार के नए आयाम गढ़ रही है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (हृश्वक्क) 2020 की मूल भावना को आत्मसात करते हुए राज्य सरकार उच्च शिक्षा के परिदृश्य में क्रांतिकारी बदलाव ला रही है। उद्देश्य स्पष्ट है—युवाओं को केवल डिग्री बांटना नहीं, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर, हुनरमंद और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाना। दूरस्थ अंचलों से लेकर बड़े शहरों के परिसरों तक, इस नई शैक्षणिक क्रांति की आहट साफ सुनी जा सकती है। शिक्षा की गुणवत्ता में व्यापक और त्वरित सुधार लाने के लिए 'छत्तीसगढ़ उच्च शिक्षा मिशन' की नींव रखी गई है। इस मिशन के तहत राज्य के महाविद्यालयों का चयन कर प्रतिवर्ष उनके ढांचागत और शैक्षणिक उन्नयन के लिए विशेष राशि स्वीकृत की जाएगी। यह व्यवस्था केवल कागजों तक सीमित न रहे, इसके लिए एक मजबूत मॉनिटरिंग तंत्र भी तैयार किया गया है, जो यह सुनिश्चित करेगा कि स्वीकृत बजट का लाभ सीधे विद्यार्थियों तक पहुँचे। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप, राज्य के हर जिले में बहुसंकायी और अनुसंधान-केंद्रित शिक्षण संस्थानों की परिकल्पना को साकार किया जा रहा है। जिन महाविद्यालयों में विद्यार्थियों की संख्या 3000 से अधिक है और जिनका प्रदर्शन उत्कृष्ट रहा है, उन्हें 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' के रूप में विकसित किया जाएगा। ये 36 महाविद्यालय राज्य में शोध, नवाचार और उच्चस्तरीय अध्यापन के प्रमुख केंद्र बनकर उभरेंगे। बदलते दौर के साथ विद्यार्थियों को आधुनिक मांग के अनुरूप ढालने के लिए 'स्ववित्तीय पाठ्यक्रम नीति' लागू की जा रही है। इसके तहत स्थानीय जरूरतों को ध्यान में रखते हुए रोजगारपरक और तकनीकी पाठ्यक्रम शुरू किए जा रहे हैं। इलेक्ट्रॉनिक्स, सेरीकल्चर (रेशम कीट पालन), फिशरीज और टसर टेक्नोलॉजी जैसे विषयों की पढ़ाई शुरू की जा रही है।?आधुनिक तकनीक व उद्यमिता के साथ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस साइबर सिक्योरिटी, वेब डिजाइनिंग, फूड प्रोसेसिंग, मशरूम कल्टीवेशन, फ्लोरीकल्चर और हर्बल कल्टीवेशन जैसे विषयों को पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया गया है।

जनभागीदारी से दुर्ग में जल संरक्षण को मिली नई रफ्तार

रायपुर। बारिश की हर बूंद को बचाने के लिए जिला में जल-सुरक्षित बनाने की दिशा में कलेक्टर श्री अभिजीत सिंह के मागदर्शन में जल संरक्षण अभियान को जनभागीदारी से नई सुरक्षा मिली है। ग्रामीण इलाकों में झील गहरीकरण, चेकडेम, डबरी, जल अवशोषण ट्रेंच, सोक पिट, कोयला नाली और कुआं जैसे विभिन्न जल संरचनाओं का निर्माण किया जा रहा है। रोजगार एवं विकास द्वारा विकसित भारत-जी राम जी योजना से जुड़े श्रमिकों और महिलाओं की भागीदारी ने जल संरक्षण और भू-जल पुनर्भरण की पहल की है।

अभियान के तहत बारिश के पानी को गांव में ही रोक और जमीन पर खोदकर देखा जा रहा है। पुराने तालाबों का गहराईकरण कर उनकी जलधारण क्षमता तैयार की जा रही है। चेकडेम और डबरियों के माध्यम से वर्षा जल को रोककर सरकार तक पानी पाइपलाइन की व्यवस्था मजबूत की जा रही है। जहां पर आवासीय और सार्वजनिक स्थानों पर रहने वाले लोगों के लिए जमीन में नामांकन के लिए सोक पिट तैयार किए जा रहे हैं।

जिले के क्षेत्रीय प्रोजेक्ट में अब तक 2,726 सोक पिट का निर्माण पूरा हो चुका है। इनमें दुर्ग में 727, धमधा में 1,096 और पाटन में 903 सोक पिट शामिल हैं। इनमें वर्षा एवं घरेलू उपयोग के पानी को जमीन में उतारकर भू-जल पुनर्भरण को बढ़ावा दिया जा रहा है। जल संरक्षण की दिशा में खाई का निर्माण भी बड़े पैमाने पर किया गया है। जिले में कुल 66,500 ट्रेंच का निर्माण पूरा हो चुका है। इनमें जिला पंचायत दुर्ग में 24,000, धमधा में 27,500 और पाटन में 15,000 ट्रेंच शामिल हैं। ट्रेंच वर्षा जल के बहाव को धीमा कर उसे जमीन में रिसने का अवसर देते हैं। इससे जल संरक्षण के साथ भू-जल पुनर्भरण और मिट्टी के कटाव को नियंत्रित करने में मदद मिलती है। वर्षा जल को जमीन में सूचीबद्ध करने के लिए जल अवशोषण ट्रेंच भी प्रभावशाली माध्यम बन रहे हैं। एक ग्राम पंचायत क्षेत्र में 66,500 वाट का निर्माण किया गया है। प्रत्येक वाट की लंबाई 2 मीटर, चौड़ाई 1 मीटर और गहराई 1 मीटर है तथा इसकी जल अवशोषण क्षमता लगभग 2 घन मीटर है। इस तरह 66,500 वाट की कुल जल अवशोषण क्षमता करीब 1,33,000 घन मीटर यानी 13.3 करोड़ लीटर है। एक अच्छी वर्षा में इतनी मात्रा में पानी को जमीन में समेटने की क्षमता तैयार हो गई है। इस बारिश के पानी के बहाव को कम करने के साथ भू-जल पुनर्भरण को बढ़ावा मिलेगा।

विकसित भारत-जी राम जी योजना से जुड़े श्रमिकों के तहत भी जल संरक्षण की दिशा में विभिन्न कार्य कार्यकर्ता जा रहे हैं। इनमें 246 तालाब निर्माण, 71 तालाब जीर्णोद्धार, 142 तालाब गहरीकरण, 28 तालाब निर्माण और 14 तालाबों के रिसाइकिलिंग कार्य शामिल हैं। इन कार्यों से वर्षा जल संरक्षण, जल विक्रेता व्यवस्था एवं भू-जल पुनर्भरण को लेकर बैठक की अपेक्षा है।

112 नवा तरिया अभियान के तहत तालाब गहरीकरण और डबरी निर्माण को भी प्राथमिकता दी गई है। जिले में 30 डबरी निर्माण कार्य किये गये हैं। इनमें दुर्ग जिले में 7, धमधा में 18 और पाटन में 5 डबरी शामिल हैं। इसके साथ ही अमृत सरोवर और अन्य जल अनुबंधों के निर्माण एवं गहरीकरण के कार्य भी जारी हैं।

जल संरक्षण का सीधा लाभ खेती और ग्रामीण उत्पादकों से मिलने की उम्मीद है। तालाबों और होटलों में पानी की बढ़ती मात्रा से सींच सुविधा मजबूत होगी। जल और खाई के माध्यम से भू-जल रिचार्ज को बढ़ावा मिलेगा, जिससे भविष्य में किसानों के लिए समुद्र तट के जल क्षेत्र की संभावनाएं बेहतर हो सकेंगी। बारिश के कारण पानी का बहाव कम होने से मिट्टी के कटाव पर भी असर पड़ेगा। इस तरह की जल संरक्षण संरचनाएं खेत, मिट्टी और भू-जल-तीनों के लिए उपयोगी साबित हो रही हैं।

समान नागरिक संहिता के प्रावधानों पर चर्चा पर दुर्ग संभाग में परिचयात्मक बैठक 8 व 9 सितंबर को

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य में समान नागरिक संहिता (यूनिफार्म सिविल कोर्ट-यूसीसी) लागू करने तथा इसका प्रारूप तैयार करने के उद्देश्य से गठित उच्च स्तरीय समिति के तत्वावधान में दुर्ग संभाग के जिलों के लिए समूह चर्चा एवं परिचयात्मक बैठक का आयोजन किया जा रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार समिति के माननीय सदस्यों की उपस्थिति में यूसीसी के प्रावधानों और प्रभावों पर गहन विचार-विमर्श हेतु दो दिवसीय बैठकों की समय-सारणी निर्धारित की गई है। इस कड़ी में पहली बैठक 08 सितंबर 2026 को दोपहर 12.00 बजे से लोक निर्माण विभाग दुर्ग के सभाकक्ष में आयोजित होगी, जिसमें दुर्ग, बालोद एवं बेमेतरा जिले के प्रतिभागी शामिल होंगे। वहीं दूसरी बैठक 09 सितंबर 2026 को दोपहर 12.00 बजे से जिला पंचायत राजनांदगांव के सभाकक्ष में रखी गई है, जिसमें राजनांदगांव, कबीरधाम, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई तथा मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले के प्रतिनिधियों को उपस्थित होने सुचित किया गया है।

यूथ कांग्रेस चुनावः कल से होगी डिजिटल सदस्यता अभियान की तैयारी

रायपुर। छत्तीसगढ़ में भारतीय युवा कांग्रेस के संगठन चुनाव को लेकर राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। प्रदेश में 30 अगस्त से डिजिटल सदस्यता अभियान शुरू होने की संभावना है। इस बार चुनावी प्रक्रिया को पूरी तरह डिजिटल और पारदर्शी बनाने के लिए **WithIYC** मोबाइल ऐप का इस्तेमाल किया जा रहा है। खास बात यह है कि सदस्यता लेने वाला युवा आवेदन के दौरान ही अपने पसंदीदा उम्मीदवार का चयन यानी **Candidate Preference** दर्ज करेगा। इससे सदस्यता अभियान के साथ ही चुनावी प्रक्रिया भी आगे बढ़ेगी। इस बार संगठन चुनाव की प्रक्रिया में पहले उम्मीदवारों से नामांकन मंगाए गए हैं। अब सदस्यता अभियान के जरिए नए युवाओं को संगठन से जोड़ने की प्रक्रिया शुरू होगी। सदस्य बनने के लिए 18 से 35 वर्ष की आयु सीमा निर्धारित की गई है। इसके लिए जन्मतिथि की कटऑफ 28 मई 1990 से 29 मई 2008 रखी गई है।

चौगेल पुनर्वास केंद्र में आत्मसमर्पित माओवादियों ने डी आर जी जवानों को बांधी राखी, कहा-अब बंदूक नहीं, हुनर से संवारेंगे भविष्य

जिनसे कभी संघर्ष था, उन्हीं की कलाई पर बांधी राखी

कांकेर। कभी जंगलों में बंदूक के साथ आमने-सामने रहने वाले हाथ आज भाईचारे और विश्वास के धागे से जुड़ गए। भानुप्रतापपुर क्षेत्र के ग्राम चौगेल (मुल्ला) स्थित पुनर्वास केंद्र में आज आत्मसमर्पित माओवादियों ने जिला रिजर्व गार्ड डी आर जी के जवानों को राखी बांधकर रक्षाबंधन का पर्व मनाया। यह दृश्य संघर्ष से शांति, हिंसा से मुख्यधारा और हथियार से हुनर की ओर बढ़ते बदलाव की भावुक तस्वीर बन गया। आत्मसमर्पित माओवादी शांति कवाची ने बताया कि वह पहली बार रक्षाबंधन का त्योहार मना रही हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री कौशल विकास प्रशिक्षण के माध्यम से उन्होंने राखी बनाना सीखा और आज उन्हीं हाथों से तैयार की गई राखी पुलिस जवानों की कलाई पर बांधना उनके लिए बेहद खास और भावुक अनुभव है।

उन्होंने कहा कि आत्मसमर्पण के बाद अब ऐसा महसूस हो रहा है कि वे वास्तव में समाज की मुख्यधारा में लौट आई हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि नक्सल पुनर्वास नीति से प्रभावित होकर उन्होंने आत्मसमर्पण का निर्णय लिया। पुनर्वास केंद्र में उन्हें सिलाई, काष्ठ शिल्प कला और राखी निर्माण सहित विभिन्न कौशलों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है, ताकि वे भविष्य में इन हुनरों के माध्यम से सम्मानपूर्वक आजीविका चला सकें और अपने परिवार के साथ समाज में सामान्य जीवन जी सकें। वहीं डी आर जी जवान टेकेश्वर हिचामी ने कहा कि पहले परिस्थितियां ऐसी थीं कि दोनों पक्ष बंदूक लेकर आमने-सामने रहते थे। आज वही हाथ राखी के पवित्र धागे से जुड़े हैं। उन्होंने कहा, आज उनकी बांधी राखी हमारी कलाई पर है, जो भाई की लंबी उम्र और सुख-शांति की कामना का प्रतीक है। यह अपने आप में एक अलग और भावुक अनुभव है। यह रक्षाबंधन सिर्फ एक पर्व का उत्सव नहीं, बल्कि बदलाव की उस कहानी का प्रतीक है, जिसमें कभी संघर्ष का हिस्सा रहे लोग आज विश्वास और भाईचारे के रिश्ते को स्वीकार कर रहे हैं। पुनर्वास और कौशल विकास के माध्यम से आत्मसमर्पित माओवादी अब अपने हाथों में हथियार की जगह हुनर लेकर नई जिंदगी की शुरुआत कर रहे हैं।कल तक आमने-सामने थे, आज एक-दूसरे की कलाई पर विश्वास का धागा है।

जिले के 17 नवीन सहकारी समितियों के लिए भूमि आबंटित

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य द्वारा जारी अधिसूचना के तहत छत्तीसगढ़ सोसायटी अधिनियम 1960 की धारा 9 (1) के अंतर्गत जिला दुर्ग की प्राथमिकता कृषि साख सहकारी सोसायटी की पुनर्गठन योजना 2025 अनुसूची-02 में अंकित 31 नवीन प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों का पुनर्गठन किया गया है। कलेक्टर श्री अभिजीत सिंह द्वारा 17 प्राथमिक कृषि साख समितियों के लिए भूमि आबंटन की स्वीकृति दी गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार धमधा विकासखंड अंतर्गत सेवा सहकारी समिति मार्या पथरिया पंजीयन क्रमांक 3421 के लिए 1.00 हेक्टेयर भूमि, सेवा सहकारी समिति मर्यादित पुरदा पंजीयन क्रमांक 3422 के लिए 1.20 हेक्टेयर, सेवा सहकारी समिति मर्यादित अरसी पंजीयन क्रमांक 3423 के लिए 1.34 हेक्टेयर, सेवा सहकारी समिति मर्यादित दारगांव पंजीयन क्रमांक 3426 के लिए 1.00 हेक्टेयर, सेवा सहकारी समिति मर्यादित हिरेतरा पंजीयन क्रमांक 3434 के लिए 1.25 हेक्टेयर, सेवा सहकारी समिति मर्यादित भांठाकोकड़ी पंजीयन क्रमांक 3435 के लिए 0.69 हेक्टेयर, सेवा सहकारी समिति मर्यादित नंदवाय पंजीयन क्रमांक 3427 के लिए 1.20 हेक्टेयर, सेवा सहकारी समिति मर्यादित मलपुरीकला पंजीयन क्रमांक 3433 के लिए 2.50 हेक्टेयर एवं सेवा सहकारी समिति मर्यादित सेमरिया पंजीयन क्रमांक 3429 के लिए 1.20 हेक्टेयर शासकीय भूमि आबंटित की गई है। इसी कड़ी में पाटन विकासखंड अंतर्गत सेवा सहकारी समिति मर्यादित अरसनारा पंजीयन क्रमांक 3445 के लिए 1.20 हेक्टेयर, सेवा सहकारी समिति मर्यादित अरमरी खुर्द पंजीयन क्रमांक 3443 के लिए 1.00 हेक्टेयर, सेवा सहकारी समिति मर्यादित ढौर पंजीयन क्रमांक 3444 के लिए 2.00 हेक्टेयर, सेवा सहकारी समिति मर्यादित बोरवाय पंजीयन क्रमांक 3442 के लिए 2.00 हेक्टेयर, सेवा सहकारी समिति मर्यादित महकाखुर्द पंजीयन क्रमांक 3440 के लिए 0.594 हेक्टेयर एवं सेवा सहकारी समिति मर्यादित अशोगा पंजीयन क्रमांक 3441 के लिए 1.20 हेक्टेयर शासकीय भूमि आबंटित की गई है। इसी प्रकार दुर्ग विकासखंड अंतर्गत सेवा सहकारी समिति मर्यादित कातरो पंजीयन क्रमांक 3419 के लिए 1.03 हेक्टेयर एवं सेवा सहकारी समिति मर्यादित दमोदा पंजीयन क्रमांक 3417 के लिए 0.9000 हेक्टेयर शासकीय भूमि आबंटित की गई है। ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यरत सेवा सहकारी सोसायटी के कृषक सदस्यों को खाद, बीज, कृषि आदान प्राप्ति एवं समर्थन मूल्य में धान बिक्री करने हेतु सुविधा प्राप्त होगी।

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के क्रियान्वयन में तेजी लाने निगरानी समिति गठित

रायपुर। कांकेर कलेक्टर कुंदन कुमार द्वारा पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के क्रियान्वयन में तेजी लाने के लिए जिला स्तरीय निगरानी समिति गठित की गई है। जिला पंचायत सीईओ श्री हरेश मंडावी और अपर कलेक्टर श्री जितेन्द्र कुर्रे को नोडल अधिकारी बनाया गया है। छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी मर्यादित कांकेर के कार्यपालन अभियंता श्री सतीश किण्डो, भानुप्रतापपुर के कार्यपालन अभियंता सुरेश ठाकुर तथा पखांजूर के कार्यपालन अभियंता श्री जी.एन.देवांगन को इस समिति का सचिव नियुक्त किया गया है। योजना अंतर्गत निर्धारित लक्ष्य की प्राप्ति एवं त्वरित क्रियान्वयन के लिए जिले के समस्त अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, सभी तहसीलदार, जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं समस्त नगरीय निकायों के मुख्य नगर पालिका अधिकारी इस निगरानी समिति के साथ समन्वित रूप से कार्य करेंगे।

कलेक्टर श्री कुंदन कुमार ने निगरानी समिति के समस्त अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा है कि यह योजना शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता वाली योजनाओं में शामिल है। अतः निगरानी समिति के सभी सदस्य व्यक्तिगत रुचि लेते हुए शासन द्वारा निर्धारित लक्ष्य की प्राप्ति सुनिश्चित करें। साथ ही योजना के क्रियान्वयन में प्रगति से अवगत करायें।

जनपद पंचायत बेरला में जल संरक्षण के लिए 10 हजार ट्रेंच सह बंधान निर्माण का लक्ष्य

रायपुर। जनपद पंचायत बेरला क्षेत्र में जल संरक्षण एवं जल संवर्धन को बढ़ावा देने के लिए विकसित भारत की गारंटी— जी राम जी योजना के अंतर्गत विभिन्न जल संरक्षण कार्यों को प्राथमिकता के साथ कराया जा रहा है। वर्तमान वर्षा ऋतु को ध्यान में रखते हुए वर्षा जल के अधिकतम संचयन और भू-जल स्तर में वृद्धि के उद्देश्य से ग्राम पंचायतों में व्यापक स्तर पर कार्य किए जा रहे हैं।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत बेरला सुश्री दिव्या ठाकुर ने बताया कि कलेक्टर बेमेतरा सुश्री प्रतिष्ठा ममगाईएवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती प्रेमलता पद्माकर के निर्देशानुसार जल संरक्षण से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता दी जा रही है। इसके तहत सोख्ता गड्ढे, सैंड फिल्टर, पौधरोपण, वाटर हार्वेस्टिंग सहित अन्य जल संरक्षण कार्य लगातार कराए जा रहे हैं।

उन्होंने बताया कि जनपद पंचायत बेरला क्षेत्र में वर्षा जल के संरक्षण एवं भू-जल संवर्धन के लिए लगभग *10 हजार ट्रेंच सह बंधान (स्ट्ठ्ठ) निर्माण का लक्ष्य* निर्धारित किया गया है। इन कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने के लिए ग्राम पंचायत स्तर पर लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। ट्रेंच सह बंधान के निर्माण से वर्षा जल को भूमि में रोकने और उसके भू-जल में पुनर्भरण को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी।

कार्यक्रम अधिकारी श्री अरविंद कश्यप ने बताया कि ड्ढक्क-त्न ञ्रू-त्न योजना के अंतर्गत जल संरक्षण सहित विभिन्न कार्यों के संचालन से ग्रामीण श्रमिकों को बरसात के मौसम में भी ग्राम पंचायत स्तर पर ही रोजगार उपलब्ध हो रहा है। इससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ने के साथ ग्रामीण परिवारों को आर्थिक संबल भी प्राप्त हो रहा है।

छत्तीसगढ़ शासन द्वारा **VB-G RAM-G** योजना के अंतर्गत अधिक से अधिक उपयोगी एवं जनहितकारी कार्यों को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए गए हैं। इनमें बालिका शौचालय, मुक्तिधाम, सैंड फिल्टर, पौधरोपण तथा जल संरक्षण एवं जल संवर्धन से जुड़े कार्य प्रमुख रूप से शामिल हैं। जनपद पंचायत बेरला क्षेत्र में प्राथमिकता वाले कार्यों को चिन्हित कर उनकी स्वीकृति एवं क्रियान्वयन की कार्यवाही लगातार की जा रही है।

निर्माण एजेंसियों, सरपंच-सचिव, तकनीकी अमले एवं ग्राम रोजगार सहायकों को निर्देशित किया गया है कि सभी कार्य गुणवत्ता के निर्धारित मानकों के अनुरूप एवं समय-सीमा में पूर्ण कराए जाएं। साथ ही ग्रामीणों को जल संरक्षण के महत्व के प्रति जागरूक करते हुए जनभागीदारी को भी बढ़ावा दिया जाए।

जिला प्रशासन द्वारा आम नागरिकों से व्यक्तिगत घरों में भी जनसहभागिता से सोख्ता गड्ढों का निर्माण करने की अपील की जा रही है, ताकि वर्षा जल को अधिक से अधिक मात्रा में जमीन के भीतर पहुंचाया जा सके और भविष्य में जल संकट की स्थिति को कम किया जा सके।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत बेरला सुश्री दिव्या ठाकुर ने क्षेत्र के आम नागरिकों से अपील की है कि जल संरक्षण के इस महाअभियान में सक्रिय सहभागिता निभाएं।

शासकीय भूमि पर अवैध सड़क निर्माण एवं प्लॉटिंग पर राजस्व विभाग ने बुलडोजर चलाकर की कार्रवाई

रायपुर। राजनांदगांव कलेक्टर जितेन्द्र यादव के निर्देश पर राजनांदगांव विकासखंड के मनगट्टा क्षेत्र के ग्राम बिहावबोड़ में शासकीय भूमि पर अवैध रूप से सड़क निर्माण एवं प्लॉटिंग किए जाने के मामले में राजस्व विभाग द्वारा बुलडोजर चलाकर कार्रवाई की गई। शासकीय भूमिस्वामी खसरा क्रमांक 257, रकबा 2.25 एकड़ भूमि पर लगभग 1 किलोमीटर लंबी सड़क का निर्माण कर तथा आसपास के लगभग 10 एकड़ क्षेत्र में अवैध रूप से प्लॉटिंग की जा रही थी। एसडीएम श्री गौतम पाटिल के नेतृत्व में राजस्व विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर अवैध गतिविधियों के विरूद्ध कार्रवाई की। टीम द्वारा शासकीय भूमि पर किए गए अवैध सड़क निर्माण एवं प्लॉटिंग को हटाया गया। प्रशासन द्वारा शासकीय भूमि पर अतिक्रमण एवं अवैध प्लॉटिंग के मामलों में लगातार कार्रवाई की जा रही है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि शासकीय भूमि पर अवैध कब्जा, सड़क निर्माण अथवा प्लॉटिंग जैसी गतिविधियों को किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा तथा नियमानुसार कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी।

श्रम से संवरा नाला, खेतों में आई हरियाली; रोजगार से सिंचाई तक बदली गांव की तस्वीर

रायपुर। कभी जिस नाले का पानी खेतों तक पहुंचने से पहले ही रास्ते में रुक जाता था, आज उसी नाले का पानी भैयाथान क्षेत्र के खेतों में लहलहाती फसल की कहानी लिख रहा है। बारिश से पहले किए गए नाला सफाई के काम ने न सिर्फ किसानों की सिंचाई की चिंता कम की, बल्कि ग्रामीणों के श्रम को गांव के विकास से जोड़ते हुए आने वाले समय में खेती के नए अवसर भी खोल दिए हैं। खेतों में फैली हरियाली और किसानों के चेहरों पर संतोष, जिला प्रशासन की इस पहल की सफलता को बयां कर रहा है।

सूरजपुर जिले के भैयाथान विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत भैयाथान में कलेक्टर श्रीमती रेना जमील के मार्गदर्शन एवं जिला पंचायत सीईओ श्री विजेन्द्र सिंह पाटले के निर्देशन में विकसित भारत जी राम जी योजना के तहत बारिश से पूर्व बड़े पैमाने पर नाला सफाई का कार्य कराया गया। नाला साफ होने से बारिश का पानी सुगमता से खेतों तक पहुंचा और किसानों ने इसका उपयोग धान की रोपाई में किया।

ऐतिहासिक पुस्तकें और दस्तावेज़ खोजना

पहले झाड़ियों और टूट-फूट के कारण नाले का जल प्रवाह कई जगह बाधित हो जाता था। इस वर्ष जल का रास्ता साफ हुआ तो खेतों तक पानी पहुंचा और खेती आसान हुई। भैयाथान क्षेत्र के किसान श्री संलित कुशवाहा, श्री उमाशंकर, श्री कृष्णा नाविक, श्री संदीप, श्री धनीराम, श्री राकेश, श्री रूप नारायण, श्री मोतीलाल, श्री जय राम, श्री राम नारायण एवं श्री विजेन्द्र सहित कई अन्य किसानों ने नाले के पानी से धान की रोपाई कर इसका लाभ उठाया है। विकसित भारत जी राम जी योजना ने रोजगार के साथ जल-संरक्षण और सिंचाई का आधार तैयार किया है। आज बड़े क्षेत्रफल में लहलहाती फसल जिला प्रशासन की उस सोच को साकार करती नजर आ रही है, जिसमें ग्रामीणों का श्रम सीधे गांव की समृद्धि से जुड़ता है।

रबी फसलों के लिए भी बनेगा सिंचाई का आधार

इस पहल का लाभ केवल मानसून तक सीमित नहीं रहेगा। नाले में संचित पानी का उपयोग किसान रबी फसलों के लिए भी कर सकेंगे। इससे एक ही खेत से दो फसल लेने की संभावना बढ़ेगी और किसानों को दोहरा लाभ मिलेगा। जो नाला रबी फसल के शुरुआती दिनों में ही सूख जाया करता था, वहां अब जल संरक्षण और बेहतर जल प्रवाह के कारण किसानों को रबी सीजन में भी सिंचाई का लाभ मिलने की उम्मीद है। किसान इस पानी का उपयोग गेहूं, सरसों, साग-सब्जी सहित विभिन्न फसलों के उत्पादन में कर सकेंगे। इससे एक ही खेत से दो फसल लेने की संभावना बढ़ेगी और किसानों को खेती से दोहरा लाभ प्राप्त होगा।

उमिया मार्केट में 33/11 केवी नवीन उपकेंद्र का लोकार्पण

रायपुर। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के नगर संभाग (उत्तर) व्दारा मुख्यमंत्री विद्युत अधोसंरचना विकास योजना के अंतर्गत भनपुरी स्थित उमिया मार्केट में निर्मित 33/11 केवी नवीन विद्युत उपकेंद्र का लोकार्पण हुआ। पांच एमवीए क्षमता वाले इस उपकेंद्र से क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति व्यवस्था अधिक सुदृढ़ होगी तथा उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण एवं निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। लोकार्पण समारोह के मुख्य अतिथि रायपुर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के विधायक श्री मोतीलाल साहू थे। इस अवसर पर जोन क्रमांक 1 के अध्यक्ष श्री गज्जू साहू सहित पार्षद नंद किशोर साहू, भगत राम हरवंश, मनमोहन मनहरे, श्रीमती अंबिका साहू तथा एल्डरमैन विक्रम सिंह ठाकुर विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। अधिकारियों ने बताया कि उपकेंद्र के निर्माण में 5 एमवीए पावर ट्रांसफार्मर के साथ 0.6 किलोमीटर 33 केवी लाइन तथा 1.7 किलोमीटर 11 केवी लाइन का निर्माण किया गया है। इस परियोजना पर लगभग 2.31 करोड़ रुपये की लागत आई है।

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के क्रियान्वयन में तेजी लाने निगरानी समिति गठित

रायपुर। कांकेर कलेक्टर कुंदन कुमार द्वारा पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के क्रियान्वयन में तेजी लाने के लिए जिला स्तरीय निगरानी समिति गठित की गई है। जिला पंचायत सीईओ हरेश मंडावी और अपर कलेक्टर जितेन्द्र कुर्रे को नोडल अधिकारी बनाया गया है।

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी मर्यादित कांकेर के कार्यपालन अभियंता सतीश किण्डो, भानुप्रतापपुर के कार्यपालन अभियंता सुरेश ठाकुर तथा पखांजूर के कार्यपालन अभियंता जी.एन.देवांगन को इस समिति का सचिव नियुक्त किया गया है। योजना अंतर्गत निर्धारित लक्ष्य की प्राप्ति एवं त्वरित क्रियान्वयन के लिए जिले के समस्त अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, सभी तहसीलदार, जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं समस्त नगरीय निकायों के मुख्य नगर पालिका अधिकारी इस निगरानी समिति के साथ समन्वित रूप से कार्य करेंगे।

कलेक्टर श्री कुंदन कुमार ने निगरानी समिति के समस्त अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा है कि यह योजना शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता वाली योजनाओं में शामिल है। अतः निगरानी समिति के सभी सदस्य व्यक्तिगत रुचि लेते हुए शासन द्वारा निर्धारित लक्ष्य की प्राप्ति सुनिश्चित करें। साथ ही योजना के क्रियान्वयन में प्रगति से अवगत करायें।

उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ शासन ऊर्जा विभाग द्वारा सौर ऊर्जा के क्षेत्र में रुफटाप सोलर प्लांट की हिस्सेदारी बढ़ाने एवं आवासीय परिसरों स्वयं की बिजली का उत्पादन कर बिजली के क्षेत्र में उपभोक्ता को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना शुरू की गई है।

रक्षाबंधन के पर्व पर महतारी वंदन योजना बनी प्रियंका के लिए परिवार का सहारा

कोरबा । रक्षाबंधन का पर्व भाई-बहन के स्नेह और विश्वास का प्रतीक है। इस पावन अवसर पर जब बहनें अपने भाइयों की कलाई पर प्रेम और विश्वास की राखी बांधती हैं, वहीं परिवार की जिम्मेदारियां निभाने वाली महिलाओं के लिए आर्थिक आत्मनिर्भरता भी एक मजबूत सहारे का काम करती है। बांकीमोंगरा क्षेत्र के शुक्लाखार वार्ड की प्रियंका पटेल के जीवन में महतारी वंदन योजना की मासिक सहायता ऐसी ही राहत लेकर आई है।

प्रियंका बताती हैं कि उनके पति एक निजी कंपनी में काम करते हैं और उनकी आय सीमित है। परिवार में दो बच्चों की जिम्मेदारी है। ऐसे में घर-गृहस्थी के खर्च को संभालना आसान नहीं होता। इसी बीच छत्तीसगढ़ सरकार की महतारी वंदन योजना के तहत हर माह मिलने वाली राशि परिवार की जरूरतों को पूरा करने में उनका सहारा बन रही है।

'मुख्यमंत्री विष्णु देव साय महिलाओं के खाते में हर माह एक हजार रुपये की राशि भेजते हैं। इस राशि से घर के छोटे-बड़े जरूरी खर्च निकालने में मदद मिलती है। इससे पति की कमाई पर पूरा भार नहीं पड़ता,' प्रियंका ने बताया। रक्षाबंधन के इस खुशनुमा माहौल में प्रियंका के चेहरे पर अपने परिवार को बेहतर भविष्य देने का संकल्प भी नजर आता है। वह पढ़ी-लिखी हैं और घर की जिम्मेदारियां निभाने के साथ नौकरी की तैयारी कर रही हैं। उनका सपना है कि वे जल्द ही अपने पैरों पर खड़ी हों और परिवार की आर्थिक मजबूती में अपना योगदान दें।

रक्षाबंधन का संदेश सिर्फ रिश्तों की डोर तक सीमित नहीं है, बल्कि यह भरोसे, सुरक्षा और साथ का भी प्रतीक है। प्रियंका के लिए महतारी वंदन योजना की राशि इसी भरोसे का एक माध्यम बनी है, जो घर की जरूरतों में मदद कर रही है।

मीडियेशन फॉर दि नेशन 3.0 - मध्यस्थता के माध्यम से प्रकरणों का निराकरण

कोरबा। मीडियेशन एण्ड कॉसीलियेशन प्रोजेक्ट कमेटी, उच्चतम न्यायालय, नई दिल्ली के निर्देशानुसार 01 अगस्त, 2026 से दिसम्बर 2026 तक की अवधि में सम्पूर्ण भारतवर्ष में ''मीडियेशन फॉर दि नेशन 3.0'' का आयोजन किया गया है। मानक संचालन प्रक्रिया के अनुसार मीडियेशन फॉर दि नेशन 3.0 के सफल एवं सुचारू रूप से क्रियान्वयन हेतु जिला न्यायालय कोरबा व व्यवहार न्यायालय कोरबा, कटघोरा, पाली, करतला में राजीनामा योग्य सभी प्रकार के लंबित मामले एवं प्री-लिटिगेशन प्रकरणों में पक्षकारों की उपस्थिति सुनिश्चित किये जाने हेतु न्यायालयों द्वारा सूचना पत्र जारी किया जा रहा है तथा समस्त आमजन से अपील की गई है कि न्यायालय में लंबित प्रकरणों को मध्यस्थता के माध्यम से निराकृत किये जाने हेतु संबंधित न्यायालय या जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोरबा या तालुका विधिक सेवा समिति कटघोरा, पाली, करतला में 07759228939, 07815250833, 07759299134 पर संपर्क कर सकते हैं।

आंगनबाड़ी सहायिका भर्ती हेतु अनंतिम योग्यता सूची जारी

दावा आपत्ति 7 सितंबर तक

कोरबा । एकीकृत बाल विकास परियोजना पाली अंतर्गत आंगनबाड़ी केन्द्र स्कूलपारा, बजरंग चौक, षिवपुर में आंगनबाड़ी सहायिका भर्ती हेतु ई-भर्ती पोर्टल के माध्यम से आवेदन पत्र आमंत्रित किया गया था।

परियोजना अधिकारी से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्राप्त आवेदनों पर मूल्यांकन समिति द्वारा प्राविधिक मूल्यांकन के परीक्षण पष्चात 25 अगस्त को अनंतिम योग्यता सूची जारी किया गया है। जिसके संबंध में तथ्यपरक दावा आपत्ति केवल ऑनलाईन के माध्यम ई-भर्ती पोर्टल **https://aww-e-bharti.in** में 07 सितंबर 2026 तक आमंत्रित की गई है। समयावधि के उपरांत किसी भी प्रकार का दावा-आपत्ति स्वीकार नहीं किया जायेगा। ई-भर्ती पोर्टल के अतिरिक्त अन्य किसी कार्यालय में प्रस्तुत की जाने वाली दावा आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना अंतर्गत संकेतकों की संतृप्तता हेतु एक दिवसीय प्रशिक्षण

कोरबा। प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना अंतर्गत जिले में निर्धारित संकेतकों की शत-प्रतिशत संतृप्तता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कृषि विज्ञान केंद्र , कटघोरा, कोरबा में एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में जिले के कोरबा, कटघोरा एवं करतला विकासखंड से लगभग 55 कृषि विस्तार अधिकारी एवं ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारियों ने प्रशिक्षण में भाग लिया ।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में योजना के अंतर्गत निर्धारित विभिन्न संकेतकों, उनकी प्रगति की समीक्षा, लक्षित हितग्राहियों तक योजनाओं का प्रभावी लाभ पहुंचाने तथा विभागों के मध्य समन्वय स्थापित करने के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के दौरान संकेतकों की वर्तमान स्थिति का विश्लेषण करते हुए शेष लक्ष्यों को समय-सीमा में पूर्ण करने के लिए आवश्यक कार्ययोजना पर भी चर्चा की गई। प्रशिक्षण के दौरान योजना से संबंधित गतिविधियों, संकेतकों की प्रगति, आंकड़ों की शुद्धता, फील्ड स्तर पर सत्यापन तथा प्रगति की नियमित मॉनिटरिंग के संबंध में प्रतिभागियों को आवश्यक जानकारी प्रदान की गई। अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने योजना के लक्ष्यों को प्रभावी ढंग से प्राप्त करने तथा जिले में निर्धारित संकेतकों की शत-प्रतिशत संतृप्तता सुनिश्चित करने के लिए समन्वित प्रयास करने पर जोर दिया।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा योजना के क्रियान्वयन से संबंधित विभिन्न विषयों पर विचार-विमर्श किया गया तथा आवश्यक सुझाव साझा किए गए। प्रशिक्षण के अंत में प्रतिभागियों की शंकाओं एवं जिज्ञासाओं का समाधान किया गया। प्रधानमंत्री धन-धान्य योजना के उद्देश्यों के अनुरूप जिले में कृषि एवं संबंधित क्षेत्रों के विकास को गति देने तथा योजना का अधिकतम लाभ पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयास किए जाने की बात कही गई। कार्यक्रम में उप संचालक कृषि डी.पी.एस. कंवर, बीज प्रमाणीकरण अधिकारी लखनपुर, कटघोरा से सुश्री मंजुला वर्मा, एवं गणेश मिश्रा, बीज प्रक्रिया प्रभारी लखनपुर, कटघोरा से सी.पी. मिश्रा तथा कृषि विज्ञान केंद्र कोरबा से दीपक तंवर, एम.एस. उर्रे, श्रीमती अर्चना कुर्रे, डॉ.अंजय सिंह एवं सुश्री अनामिका निराला सहित के समस्त कर्मचारी उपस्थित रहे।

जिले में 300 स्ट्रीट फूड विक्रेताओं को नि:शुल्क फोस्टैक प्रशिक्षण

कोरबा । खाद्य एवं औषधि प्रशासन, जिला कोरबा द्वारा खाद्य कारोबारियों में खाद्य सुरक्षा एवं स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से 26 एवं 27 अगस्त 2026 को होटल टॉप इन टाउन, आई.टी.आई. कोरबा में दो दिवसीय फोस्टैक प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण में जिले के 300 स्ट्रीट फूड विक्रेताओं को नि:शुल्क प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

यह कार्यक्रम अटल नगर नवा रायपुर के नियंत्रक, खाद्य एवं औषधि प्रशासन के मार्गदर्शन में नेस्ले एवं नेशनल एसोसिएशन ऑफ स्ट्रीट वेंडर्स ऑफ इंडिया के सौजन्य से आयोजित किया गया। प्रशिक्षण का शुभारंभ श्रीमती पुष्पा खाखा, अभिहित अधिकारी, खाद्य एवं औषधि प्रशासन, जिला कोरबा द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया।

खाद्य सुरक्षा मानक अधिनियम, 2006 एवं विनियम, 2011 के प्रावधानों के अनुसार खाद्य कारोबारियों के लिए फोस्टैक प्रशिक्षण आवश्यक है। इसी क्रम में फुटपाथ एवं सड़क किनारे खाद्य पदार्थों का व्यवसाय करने वाले स्ट्रीट फूड विक्रेताओं को प्रशिक्षण दिया गया। इनमें चाय-नाश्ता-भोजन, ठेला/टपरी/खोमचा,जलेबी/पकौड़ा/भजिया विक्रेता, चाट-गुपचुप-इडली-डोसा विक्रेता, भुंजा-फ्रायती दाना विक्रेता, जूस/लस्सी/शेक विक्रेता, फास्ट फूड/मोजो/चाइनीज वेंडर, मोबाइल आइसक्रीम फलूदा सहित अन्य विक्रेता शामिल रहे।

प्रशिक्षण के दौरान खाद्य पदार्थों को सुरक्षित तरीके से तैयार करने, परोसने एवं खाद्य पदार्थों से संबंधित निर्धारित मानकों के अनुरूप कार्य करने की जानकारी दी गई। प्रशिक्षण पूर्ण करने के बाद सभी 300 स्ट्रीट फूड वेंडर्स को प्रशिक्षण प्रमाण-पत्र एवं हाईजिन किट नि:शुल्क प्रदान किए गए।

खाद्य एवं औषधि प्रशासन द्वारा इस पहल का उद्देश्य स्ट्रीट फूड विक्रेताओं को खाद्य सुरक्षा के निर्धारित मानकों की जानकारी देकर स्वच्छ एवं सुरक्षित खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने के लिए प्रोत्साहित करना है।

कर्मचारी गैस भण्डार सहकारी समिति मानिकपुर के मतदाता सूची जारी

कोरबा। मानिकपुर कर्मचारी गैस भण्डार सहकारी समिति मर्यादित मानिकपुर विकासखण्ड कोरबा पंजीयन क्रमांक 3526 के संचालन मंडल के निर्वाचन हेतु मतदाता सूची 24 अगस्त को जारी कर दिया गया है। मतदाता सूची सोसायटी कार्यालय मानिकपुर, उप पंजीयक सहकारी संस्थाएं कोरबा, विकासखंड कार्यालय कोरबा, वित्तदायी बैंक जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक शाखा कोरबा के सूचना पटल पर चस्पा किया गया है। मतदाता सूची के सम्बंध में सदस्यों से दावा-आपश्रि 01 सितंबर 2026 तक आमंत्रित किया गया है। रजिस्ट्रीकरण अधिकारी भूपेन्द्र कुमार साहू ने बताया कि दावा- आपत्ति लिखित में मय प्रमाण के साथ सोसायटी कार्यालय मानिकपुर में प्रबंधक मनोज कुमार अथवा रजिस्ट्रीकरण अधिकारी कार्यालय उप पंजीयक सहकारी संस्थाएं कोरबा में 01 सितंबर 2026 तक कार्यालयीन समय पर प्रस्तुत किया जा सकता है। दावा- आपत्तियों का निराकरण 02 सितंबर को 12 बजे से किया जायेगा।

संभागायुक्त सत्य नारायण राठौर ने किया प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र नांदघाट का निरीक्षण

बेमेतरा । दुर्ग संभागायुक्त सत्य नारायण राठौर ने आज बेमेतरा जिले के प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र नांदघाट का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने केन्द्र में संचालित विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं का जायजा लिया और व्यवस्थाओं का बारीकी से अवलोकन किया।

संभागायुक्त ने ओपीडी, आईपीडी, प्रसव कक्ष, दवा वितरण कक्ष, लैबोरेटरी एवं टीकाकरण कक्ष का निरीक्षण कर मरीजों को मिल रही सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने उपस्थित चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों से स्टाफ की उपलब्धता, दवाओं के स्टॉक और उपकरणों की स्थिति के बारे में पूछताछ की।

संभागायुक्त श्री राठौर ने स्वास्थ्य अधिकारियों को निर्देशित किया कि मरीजों को गुणवत्तायुक्त और समय पर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जाएं। अस्पताल परिसर में साफ-सफाई बनाए रखने और मरीजों के साथ संवेदनशील व्यवहार करने को कहा। निरीक्षण के दौरान उन्होंने प्रसव कक्ष का विशेष रूप से अवलोकन किया और निर्देश दिए कि प्रसूता महिलाओं की विशेष देखभाल की जाए। संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देने, जच्चा-बच्चा की सुरक्षा सुनिश्चित करने और शासन की मातृत्व योजनाओं का लाभ हर हितग्राही तक पहुंचाने के लिए कहा।

'विष्णु भैया ने दिया सुविधा का संबल, आसान हुआ रोजमर्रा का जीवन'

कोरबा। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना महिलाओं के जीवन में सुविधा और बदलाव की नई रोशनी लेकर आई है। स्वच्छ ईंधन की उपलब्धता से ग्रामीण और जरूरतमंद परिवारों की रसोई में जहां धुएं से राहत मिली है, वहीं महिलाओं के समय और मेहनत की भी बचत हो रही है। कोरबा जिले के ग्राम दादर खुर्द निवासी श्रीमती कौशल्या यादव, पति रूपचंद यादव, के लिए भी उज्ज्वला योजना ऐसी ही राहत और सुविधा लेकर आई है।

करीब एक वर्ष पहले श्रीमती यादव को प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत गैस कनेक्शन मिला। इससे पहले उनके घर में खाना बनाने के लिए सिगड़ी, लकड़ी और कोयले का इस्तेमाल किया जाता था। पारंपरिक ईंधन से खाना बनाने में अधिक मेहनत लगती थी और रसोई धुएं से भर जाती थी। लकड़ी और कोयले की व्यवस्था करना भी रोजमर्रा के काम का हिस्सा था। कई बार ईंधन तैयार करने और चूल्हा जलाने में भी अतिरिक्त समय लग जाता था।

गैस कनेक्शन मिलने के बाद उनकी दिनचर्या में सहज बदलाव आया है। अब चूल्हा जलाने के लिए लकड़ी या कोयले की व्यवस्था करने की जरूरत नहीं पड़ती। गैस की सुविधा से कम समय में खाना तैयार हो जाता है और रसोई का काम भी पहले की तुलना में आसान हो गया है। वें बताती हैं कि अब उनका अधिक समय परिवार के दूसरे जरूरी कामों में लगाया जा सकता है।

अपने अनुभव साझा करते हुए कौशल्या यादव ने कहा, 'पहले सिगड़ी, लकड़ी और कोयले से खाना बनाते थे। चूल्हा जलाने और खाना बनाने में काफी मेहनत लगती थी और रसोई में धुआं भी होता था। अब गैस कनेक्शन मिलने से खाना बनाना बहुत आसान हो गया है। समय की भी बचत होती है और रोज की परेशानी कम हुई है।'

उन्होंने आगे कहा, 'विष्णु भैया ने हमारे बारे में सोचा और हमें गैस कनेक्शन देकर हमारा ख्याल रखा। हमारे जैसे परिवारों के लिए यह बहुत बड़ी सुविधा है। अब रसोई का काम पहले से आसान हो गया है।'

पीएम आवास, अमृत मिशन, स्वच्छता, कर वसूली एवं अधोसंरचना कार्यों को समय-सीमा में पूरा करने के निर्देश

कोरबा । कलेक्टर कुणाल दुदावत ने आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में नगरीय निकाय विभाग की मासिक समीक्षा बैठक ली। उन्होंने नगरीय निकायों में संचालित विभिन्न योजनाओं एवं विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को योजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन सुनिश्चित करने तथा सभी स्वीकृत एवं प्रगतिरत कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण कराने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर आयुक्त नगर निगम आशुतोष पाण्डेय, अपर आयुक्त विनय मिश्रा, सभी जोन कमिश्नर, सीएमओ नगरीय निकाय, विभागों के उप अभियन्ता सहित अन्य विभागीय अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

बैठक में कलेक्टर श्री दुदावत ने प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी 2.0 के तहत नगर निगम कोरबा सहित सभी नगरीय निकायों में आवास निर्माण की प्रगति को गंभीरता से बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने अप्रारंभ आवास निर्माण कार्यों को शीघ्र शुरू कराने तथा निर्माणाधीन आवासों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण कराने निर्देशित किया। अमृत मिशन 2.0 के तहत स्वीकृत कार्यों को भी प्राथमिकता से पूरा करने के निर्देश अधिकारियों को दिए गए।

स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत सूखे एवं गीले कचरे के पृथक्करण और बेहतर प्रबंधन पर विशेष ध्यान देने कहा गया। कलेक्टर ने नगरीय क्षेत्रों में स्वच्छता व्यवस्था को प्रभावी बनाए रखने तथा सभी नगरीय निकायों में स्थापित एसएलआरएम सेंटर का सुचारू एवं बेहतर संचालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। नगरीय निकायों में राजस्व कर वसूली की अद्यतन स्थिति की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने कर वसूली की गति बढ़ाने तथा निर्धारित लक्ष्यों की पूर्ति सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने अधिकारियों को नियमित निगरानी के साथ राजस्व संग्रहण में अपेक्षित प्रगति लाने के निर्देश दिए। अधोसंरचना कार्यों के अंतर्गत वर्ष 2024-25 एवं 2025-26 के स्वीकृत, प्रगतिरत, अपूर्ण एवं अप्रारंभ कार्यों की स्थिति की विस्तृत जानकारी ली गई। कलेक्टर ने अप्रारंभ कार्यों को तत्काल प्रारंभ कराने, प्रगतिरत कार्यों में तेजी लाने तथा पूर्णता के स्तर पर पहुंच चुके कार्यों को अविलंब पूरा कराने कहा। उन्होंने सभी निर्माण कार्यों में गुणवत्ता के मानकों का विशेष रूप से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। 15वें वित्त एवं नगरीय क्षेत्रों में डीएमएफ अंतर्गत स्वीकृत कार्यों को समय-सीमा में पूर्ण करने तथा उनकी प्रगति में तेजी लाने निर्देशित किया। उन्होंने नगरीय निकायों में निर्माणाधीन स्कूल, आंगनबाड़ी केंद्र एवं शौचालयों के कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूरा कराने के निर्देश दिए। साथ ही सांसद, प्रभारी मंत्री, विधायक मद एवं प्राधिकरण के अंतर्गत स्वीकृत और प्रगतिरत कार्यों को शीघ्र पूरा कराने के निर्देश दिए गए। मुख्यमंत्री घोषणा से संबंधित कार्यों के लिए आवश्यक स्वीकृतियां जल्द प्राप्त करने तथा प्रगतिरत कार्यों को समयबद्ध ढंग से पूर्ण कराने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया गया।

क्या बच्चों के लिए बहुत ज्यादा सुविधा देना अच्छी बात है?

‘डैडी, आप मुझसे इस गर्म कमरे में सोने की उम्मीद कैसे कर सकते हैं?’ कॉलेज में दाखिला लेने वाली एक टीनएजर ने अपने पिता से यह सवाल किया। उसने इंटरनेशनल स्कूल में पढ़ाई की थी, जहां हर कमरा एयर-कंडीशंड था। पिता तुरंत वार्डन के पास जाकर बोले, ‘मेरी बेटी ऐसे कमरे में नहीं रह सकती। क्या आप उसे एसी कमरा दे सकते हैं?

मैं अतिरिक्त पैसे देने को तैयार हूं।’ वार्डन मुस्कराकर बोले, ‘हमारा संस्थान 60 साल पुराना है और यदि सारे कमरे एसी कर दिए जाएं तो पुरानी वायरिंग इतना लोड नहीं झेल सकती। वायरिंग बदलने के बाद हम एसी देने की योजना बना रहे हैं। इसमें 90 दिन लगेंगे। तब तक बच्चे को एडजस्ट करना होगा।’

वार्डन ने 90 दिन के वेटिंग पीरियड को 89 दिन करने से भी इनकार किया तो पिता ने हार मान ली। यह जमशेदपुर का एक प्रीमियम इन्स्टीट्यूट था, जहां एसी कमरे से ज्यादा जरूरी पढ़ाई थी। तब तक मां अपनी बेटी की अलमारी जमा चुकी थीं, बिस्तर लगा चुकी थीं, सारी किताबें स्टडी-टेबल पर करीने से रख चुकी थीं और उसकी जरूरत की हर टॉयलेटरी उपलब्ध करा चुकी थीं। बीते कम से कम एक दशक से साल-दर-साल यही सीन रहता आया था। कई पैरेंट्स को याद होगा कि जब उनके बच्चों ने कॉलेज के लिए घर छोड़ा तो उन्होंने भी ऐसा ही किया था।

लेकिन अब ऐसा नहीं है। 2026 में कैंपस का सीन बदलता दिख रहा है, कम से कम अमेरिका जैसे विकसित देशों की कुछ यूनिवर्सिटीज में। पिछले सोमवार को कैलिफोर्निया की 18 वर्षीय फ्रेशर जारा मोदी अपने पैरेंट्स के साथ बोस्टन यूनिवर्सिटी पहुंचीं। विशाल कैंपस देखने के बाद वे हाथ में आइस्ड कॉफी लिए जारा के रूम पर लौटे। रूम देख कर उसकी आंखें फटी हुईं और मुंह खुला रह गया। वह बोली कि ‘मुझे समझ नहीं आ रहा कि क्या कहूं। यह बहुत परफेक्ट है।’

वह बिस्तर पर कूदी, गुलाबी और सफेद तकिए को चूमा और यूनिवर्सिटी गार्डन की ओर खुलने वाले स्टाइलिश पर्दों पर उंगलियां फेरने लगी। जारा ने उसका कमरा तैयार करने में अपनी पूरी सुबह खपाने वाले हाउसकीपिंग कर्मचारी को गले लगाया तो पैरेंट्स ने यह रिएक्शन रिकॉर्ड किया। उस कर्मचारी ने अगले तीन साल के लिए पैरेंट्स से दूर जारा का नया घर तैयार कर दिया था। उसने फ्लोरोसेंट लाइट तक लगाई, जिस पर जारा का नाम डिस्प्ले होता था।

कभी होटलों में होने वाली रूम-सर्विस जैसी सुविधा कम से कम कुछ विकसित देशों में तो अब कॉलेज कैंपस में भी पहुंच रही है। अमेरिकी कैंपस मार्केट बहुत बड़ा है। नेशनल रिटेल फेडरेशन का अनुमान है कि कॉलेज स्टूडेंट्स कैंपस-रिलेटेड शॉपिंग और सर्विसेस पर अरबों डॉलर खर्च करते हैं।

लेकिन यहां सवाल है कि जब कोई 18 साल का बच्चा स्वतंत्र कॅरिअर और भविष्य बनाने कॉलेज में आता है तो उसके लिए कितनी सुविधा वास्तव में बेहतर है?

सुविधा अपने आप में बुरी नहीं है। बेहतर अकॉमोडेशन, हाइजीन, लॉन्ड्री और दूसरी सेवाएं छात्रों का समय बचाकर उन्हें पढ़ाई पर फोकस करने में मदद कर सकती हैं। लेकिन सुविधा और निर्भरता के बीच बहुत बारीक अंतर है। अगर कोई दूसरा व्यक्ति बिस्तर लगाए, कमरा साफ करे, अलमारी जमाए और हर छोटी समस्या का समाधान करे तो बच्चा ये काम खुद करना कब सीखेगा?

शायद कॉलेज वह जगह होनी चाहिए, जहां युवा यह समझें कि जिंदगी हमेशा शिकायत करने पर तुरंत समाधान नहीं देती। खाना घर जैसा नहीं हो सकता, कपड़ों का ढेर लग सकता है और रूममेट इरिटेटिंग हो सकता है। हर समस्या को हमेशा खत्म करना जरूरी नहीं है। कुछ तो ऐसे सबक होते हैं, जिन्हें अनुभव किया जाए।

पैरेंट्स 18 साल तक बच्चों को हर असुविधा से बचाते हैं। तो अगले तीन-चार साल शायद उन्हें सिखाना चाहिए कि इनका सामना कैसे करें। हमें बच्चों को जो असली लग्जरी देनी चाहिए, वह असुविधा-मुक्त जीवन नहीं, बल्कि असुविधा का सामना करने का आत्मविश्वास है। क्योंकि कैंपस के बाहर की दुनिया में हमेशा ऐसी नहीं होती, जहां एसी, हाउसकीपिंग और फोन कॉल पर इंतजार करते पैरेंट्स मिलें।

फंडा यह है कि अगर हम बचपन को जरूरत से ज्यादा सुविधाजनक बनाएंगे तो अनजाने में वयस्क जीवन को उनके लिए ज्यादा मुश्किल बना सकते हैं।

हमारे खेलों को क्रिकेट से मार्केटिंग के गुर सीखने होंगे

राष्ट्रीय खेल दिवस (29 अगस्त) है। इस अवसर पर हमें भारतीय खेलों को समग्र दृष्टि से देखने की जरूरत है। एशियाई खेलों में अब महज लगभग 20 ही दिन रह गए हैं। 492 सदस्यों का मजबूत भारतीय दल जल्द ही जापान रवाना होगा, जहां उसका लक्ष्य 100 से अधिक पदक जीतना है। ओलिम्पिक की मेजबानी के लिए बोली की तैयारियां भी चल रही हैं। भारत में खेल आखिरकार प्राथमिकता बनते दिख रहे हैं।

सबसे पहले क्रिकेट की बात करें। घरेलू मैदान पर विश्व कप जीतने के बाद आयरलैंड और इंग्लैंड में कठिन दौर आया। लेकिन श्रीलंका में टेस्ट सीरीज ने उम्मीदों को फिर जगाया है और शुभमन गिल ने खुद को एक लीडर के रूप में मजबूती से स्थापित किया है।

अब निगाहें जल्द ही दक्षिण अफ्रीका में होने वाले 2027 विश्व कप की तैयारियों पर टिक जानी चाहिए। हर भारतीय क्रिकेट प्रशंसक इस बात से भी सहमत होगा कि तेज गेंदबाजों की नई पीढ़ी को न्यूजीलैंड में खुद को साबित करना होगा। तभी भारत टेस्ट क्रिकेट में वास्तव में प्रतिस्पर्धी बना रह सकेगा।

महिला क्रिकेट के सामने जवाबों से ज्यादा सवाल हैं। इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट जीत प्रभावशाली रही, लेकिन टी-20 विश्व कप में टीम का प्रदर्शन उम्मीदों के अनुरूप नहीं रहा है। कप्तानी में बदलाव लगभग तय माना जा रहा था, लेकिन कम-से-कम फिलहाल बीसीसीआई ने हरमनप्रीत के साथ बने रहने का फैसला किया है। क्या स्मृति मंधाना को नेतृत्व का अवसर दिया जाना चाहिए था? इस सवाल से हमें रूबरू होना होगा।

फिर बैडमिंटन और निशानेबाजी की बात आती है। भारत ने नई दिल्ली में विश्व चैम्पियनशिप में बहुत अच्छा प्रदर्शन किया और ट्रीसा-गायत्री के पदकों ने देश को प्रतियोगिता के हर पल से जोड़े रखा। विश्व रैंकिंग में 39वें स्थान से पोडियम तक पहुंचना हर उभरते खिलाड़ी के लिए प्रेरणा का स्रोत होना ही चाहिए। सिंधु भी एक बार फिर अच्छी लय में दिखाई दे रही हैं और एशियाई खेल उनके लिए बड़ी परीक्षा होंगे। सात्विक और चिराग को चोटों से बेहतर ढंग से निपटना होगा। आयुष पुरुष एकल में बड़ी प्रतिभा साबित हो सकते हैं।

निशानेबाजी की बात करें तो शायद यह कहना गलत नहीं होगा कि इस समय भारत इस खेल में दुनिया की अग्रिम पंक्ति में है। टीम में जबरदस्त प्रतिभा है और अब जरूरत सिर्फ खिलाड़ियों की मानसिक तैयारी और कंडीशनिंग पर काम करने की है।

भारतीय निशानेबाज लगातार विश्वस्तरीय प्रतियोगिताओं के फाइनल में पहुंच रहे हैं। अब समय है कि इन फाइनल मुकाबलों को पदकों में बदला जाए। अगर सब कुछ योजना के मुताबिक रहा, तो निशानेबाजी एशियाई खेलों में भारत को कम-से-कम 20 पदक दिलाने की स्थिति में है।

लेकिन कुश्ती में हम संघर्ष कर रहे हैं, जबकि तीरंदाजी को भी एक बड़ी उपलब्धि की सख्त जरूरत है। राष्ट्रमंडल खेलों में महिला मुक्केबाजों ने जरूर उम्मीद जगाई थी, लेकिन इन मुक्केबाजों की असली परीक्षा एशियाई खेलों में होगी। इनमें से कुछ शानदार फॉर्म में हैं और साक्षी, जैस्मिन और अन्य के लिए लॉस एंजेलिस 2028 में पोडियम पर पहुंचना संभव है।

हॉकी की तस्वीर भी कुछ ऐसी ही है। उम्मीद के संकेत अभी तक किसी बड़ी उपलब्धि में तब्दील नहीं हो पाए हैं। राष्ट्रीय टीम उस बड़ी छलांग की तलाश में है, जो उसे एक बार फिर विश्वस्तरीय प्रतियोगिताओं में पदक की दावेदार बना सके।

महिला टीम जरूर आगे बढ़ी है और एशियाई खेलों में उनका कड़ा इम्तिहान होगा। टेनिस में हालात निराशाजनक हैं। यूएस ओपन की एकल स्पर्धा में भारत का कोई प्रतिनिधित्व नहीं है और हमें क्षितिज पर ऐसी कोई बड़ी प्रतिभा भी दिखाई नहीं दे रही, जो इस स्थिति को बदल सके।

खेल प्रशासन में भी अभी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। बीसीसीआई तो आज दुनिया का सबसे शक्तिशाली क्रिकेट बोर्ड है, लेकिन भारतीय ओलिम्पिक संघ और विभिन्न खेल महासंघों को अब एक-दूसरे के साथ तालमेल बिठाकर काम शुरू करना होगा। ओलिम्पिक को दो साल से भी कम समय बचा है। एशियाई खेल हमें संकेत दे देंगे कि हम इस समय कहां खड़े हैं। खेल प्रशासकों को आपसी खींचतान भूलकर, मिलकर काम करना होगा।

हमारे ओलिम्पिक खेलों को क्रिकेट से सीखना होगा- खेलों की बेहतर मार्केटिंग कीजिए, सितारे तैयार कीजिए और खिलाड़ियों की कहानियां लोगों तक पहुंचाइए। कुछ ऐसा ही पैरा-स्पोर्ट्स के क्षेत्र में हो रहा है, जहां भारत एशियाई खेलों में 115 से अधिक पदक जीतने की स्थिति में है। क्या यह सब किया जा सकता है? बिल्कुल। बशर्ते हम अपने सामने खड़े अवसरों को गंवा नहीं दें।

हमारे ओलिम्पिक खेलों को क्रिकेट से सीखना होगा- खेलों की बेहतर मार्केटिंग कीजिए, सितारे तैयार कीजिए और खिलाड़ियों की कहानियां लोगों तक पहुंचाइए। यह सब किया जा सकता है। बशर्ते हम अवसरों को गंवा नहीं"।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

केवल सिनेमा के परदे तक ही सीमित नहीं है पार्टिशन की याद

कुछ दिन पहले मैं अमृतसर में थी, कुछ काम से। इस शहर की सबसे बड़ी खासियत है खाना। शादियों में आपने अमृतसरी कुलचा जरूर खाया होगा, मगर किसी छोटे-से ढाबे में बैठकर, तंदूर से निकले गरमा-गरम कुलचे खाने का मजा कुछ और ही है।

दूसरी बड़ी बात यह है कि अमृतसर की रग-रग में इतिहास दौड़ता है। चाहे वो स्वर्ण मंदिर हो या जलियांवाला बाग। एक सदियों पुराना एहसास है, इस शहर की हवा में कुछ खास है।

और जो आप पार्टिशन म्यूजियम में दाखिल हो गए, तो बंटवारे की दु:खद दास्तान आपके दिल और दिमाग को पूरी तरह से हिला देगी।

मेरी सास संतोष बंसल से मैंने उस दौर की कुछ कहानियां सुनी थीं। उनका जन्म लाहौर में हुआ था, वहां उन्होंने स्कूल और कॉलेज की पढ़ाई की थी। उनके पिताजी सी.एल. अग्रवाल लाहौर के नामी वकील थे। फेन रोड पर एक आलीशान कोठी में वो रहते थे।

1947 में देश के नक्शे पर एक लाइन खिंच गई और लाखों की जिंदगी तबाह हो गई। पार्टिशन म्यूजियम में उन कहानियों की एक झलक मिलती है।

अगर आपको रातोंरात अपना घर छोड़कर भागना पड़े तो आप क्या साथ लेकर जाएंगे? इन्हीं चीजों को म्यूजियम में डिस्प्ले किया गया है। जैसे कि एक काला, थका-हारा संदूक, उसमें शादी के समय पहना हुआ दुपट्टा। गिना-चुना सामान, अनगिनत यादें। लेकिन यह एक मूक संग्रहालय नहीं, दीवार पर लगे टीवी स्क्रीन पर आप उन लोगों के इंटरव्यू देख-सुन सकते हैं, जिन्होंने वो मुश्किल सफर तय किया, जिसमें हजारों ने जान गंवाई।

आज कहानी सुनाने वालों के बाल सफेद हैं, लेकिन बचपन का वो दिन उन्हें हूबहू याद है। जब उनकी ट्रेन पर हमला हुआ था और लाशों के नीचे दबे रहने की वजह से वो जिंदा बच गए।

सरहद पार कर, इस देश की मिट्टी को अपने हाथों में लेकर, उनकी आंखों से खुशी के आंसू छलके।

कुछ महीनों तक रिफ्यूजी कैंप में रहने के बाद, लोगों ने अपनी मेहनत और किस्मत से फिर अपना अस्तित्व बनाया। व्यापार शुरू किया, मकान खड़े किए। धीरे-धीरे वह पीढ़ी भी खत्म हो रही है, जिसे सरहद पार छोड़ा हुआ घर याद है। अब पार्टिशन नजर आता है सिनेमा के पर्दे पर।

लेकिन वो अमृतसर जिसने इतने लोगों को पनाह दी, एक नई राह दी, इसी शहर में अब हरविंदर उर्फ हैरी जैसे नौजवानों का मंत्र है कि- सरहद पार करो। यहां जितने भी नौजवानों से बात की, उनका यही कहना था कि यहां फ्यूचर नहीं। जाना कहां है? कनाडा, अमेरिका, यूके, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड... कहीं भी।

पिछले 6 साल से हैरी फॉरेन का सपना साकार करने में लगे हुए हैं। जैसे कोई 12वीं के बाद एंट्रेंस एग्जाम की तैयारी करता हो, उसी तरह हैरी वीजा इंटरव्यू की तैयारी करते हैं। काफी बार रिजेक्ट होने के बाद आखिर रूस का वीजा लग गया। फिर क्या- फ्लाइट लेकर पहुंच गए और किसी रेस्तरां में दो नंबर का काम शुरू किया। यानी कि वो काम जो वीजा के रूल के मुताबिक गैरकानूनी हो।

हैरी जी एक रेस्तरां में हेल्पर हैं, एक छोटे-से फ्लैट में 6 लोगों के साथ रहते हैं, लेकिन खुश हैं। क्योंकि वहां उन्हें अपना फ्यूचर बनते हुए दिख रहा है।

उनकी कॅरियर प्लानिंग सॉलिड है। वहीं पर किसी गोरी मेम से शादी कर लूंगा, बच्चे हो जाएंगे, सिटीजनशिप मिल जाएगी। एक भाई इंडिया में है, मां-बाप की देखभाल के लिए। हैरी जी पैसे भेजते रहेंगे। दोनों खुश।

यह एक सच्ची स्टोरी है, जो मैंने सुनी हैरी जी के भाई पैरी जी से। वो मेरी टैक्सी चला रहे थे।

आज न जाने इस देश में कितने हैरी हैं, जो अपना सब कुछ छोड़कर किसी और देश में सेटल होने के लिए बेताब हैं।

उन्हें कहा जा सकता है आर्थिक रिफ्यूजी।

फर्क यह है कि बंटवारे के उलट इस बार ये लोग अपनी मर्जी से जा रहे हैं। अपनी पुश्तैनी जमीन बेच कर, एजेंट को पैसे देकर, डंकी रूट से भी। पार्टिशन के वक्त लोगों ने पूछा था- हम जाएं कहां?

लेकिन आज हैरी जैसे नौजवान पूछ रहे हैं- हम यहां क्यों रहें?

इस सवाल का जवाब हमें खोजना होगा।

अमृतसर की रग-रग में इतिहास दौड़ता है। सदियों पुराना एहसास है, इस शहर की हवा में कुछ खास है। और जो आप पार्टिशन म्यूजियम में दाखिल हो गए, तो बंटवारे की दु:खद दास्तान आपके दिल और दिमाग को पूरी तरह से हिला देगी।

(ये लेखिका के अपने विचार हैं)

हैरानी की बात यह है पीएम पद के नए दावेदार सामने आए

वक्त के साथ ज्यादातर लोगों की पसंद भी वही बनी भी रहती है और कुछ लोगों की पसंद बदलती भी है। लोगों की पसंद बने रहने का जिस तरह बहुत से कारण होते हैं, उसी तरह लोगों की पसंद बदलने के भी कई कारण होते हैं। इसलिए यह तो कोई निश्चित रूप से नहीं कह सकता किसी को कोई पसंद करता है तो उसका कोई एक कारण है, इसी तरह तरह यदि लोगों की पसंद बदल रही है तो कोई भी यह निश्चित रूप से नहीं कह सकता कि पसंद बदलने का कोई एक कारण यह है। भारत के पीएम पद के लिए पसंद के लिए किए गए इंडिया टूडे के मूड आफ नेशन सर्वे से यह तो पता चलता है कि पीएम पद के लिए आज भी पहली पसंद पीएम मोदी हैं और उनके बाद देश के लोग किसी को पसंद करते हैं तो वह राहुल गांधी है।

पीएम पद के लिए सर्वे के मुताबिक तो कुछ भी नहीं बदला है। हर साल यह सर्वे होता है और इसमें पिछले 12 साल से पीएम पद के लिए पीएम मोदी ही पहली पसंद बने हुए हैं तो यह कहा जा सकता है कि राहुल गांधी और पीएम मोदी के बीच 20 प्रतिशत का अंतर बना हुआ है। राहुल गांधी इस अंतर को कम नहीं कर पा रहे हैं।इसकी वजह यह है कि वह सकारात्मक राजनीति नहीं करते हैं।वह सकारात्मक राजनीति करते तो उनके और पीएम मोदी के बीच जो बरसों से बड़ा फासला बना हुआ है वह कम हो सकता है।वह पीएम मोदी के बाद दूसरे नंबर पर है तो यह उनकी लोकप्रियता नहीं, विपक्ष में कोई और विकल्प न होने के कारण के हैं।

पहले व दूसरे नंबर के बीच कोई बदलाव न होने से भाजपा जहां निश्चित रह सकते हैं कि उनके नेता को अब तक देश में कोई मजबूत विकल्प नहीं हैं।वही कांग्रेस के नेताओं को इस बात की चिंता हो सकती है कि विपक्ष में पीएम पद के पुराने दावेदारों के साथ अब नए दावेदार सामने आ रहे हैं और लोगों में उनकी लोकप्रियता बढ़ भी रही है। यानी विपक्ष में राहुल गांधी के बाद पहले जितने पीएम पद के दावेदार थे,अब उनकी संख्या बढ़ रही है।विपक्ष मे पीएम पद के पुराने दावेदारों में ममता बैनर्जी अब भी दावेदार हैं,उसके बाद अखिलेश यादव भी दावेदार है और अरविंद केजरीवाल भी दावेदार हैं।तीनों में जब तक पं.बंगाल ममता हारी नहीं थी,पीएम पद की मजबूत दावेदार थी लेकिन बंगाल हारने के बाद उनका दावा कमजोर हुआ है और वह भी अब पीएम मोदी को हराने वाली नहीं हारने वाली नेता हो गई हैं।

विपक्ष के पीएम पद के दावेदारों के लिए चिंता की बात यह है कि दो नए दावेदार इस बार के सर्वे में आएं है। एक हैं तमिलनाडु के सीएम विजय जोसेफ। दूसरे हैं सीजेपी के नेता अभिजीत दीपके।पहले के सर्वे में यह दोनों पीएम पद के लिए लोगों की पसंद में नहीं थे लेकिन पिछले कुछ महीनों में यह दोनों अपनी सक्रियता के कारण खूब चर्चा में रहे है। विजय जहां मजबूत राजनीतिक दल को हराने के कारण व लोकलुभावन वादों के कारण चर्चा में रहे हैं,वहीं अभिजीत दीपके जेनजी के आंदोलन व शिक्षामंत्री को इस्तीफा देने के लिए मजबूर कर देने के कारण चर्चा में रहे हैं।दोनों नेता ने अपना लक्ष्य तय किया और उसे पाने में सफल रहे हैं। यही वजह है कि दक्षिण से विजय को पीएम पद के लिए सबसे ज्यादा पसंद किए जा रहे हैं।यह राहुल गांधी व कांग्रेस के लिए चिंता की बात हो सकती है।

अभी लोकसभा चुनाव में दो साल से ज्यादा समय है। तब तक विजय राज्य में बहुत अच्छा काम करते है तो उन की लोकप्रियता और बढ़ सकती है और वह राहुल गांधी की जगह विपक्ष के पीएम पद के प्रत्याशी बनाए जा सकते हैं तब जब विपक्ष के नेता ममता,अखिलेश,तेजस्वी आदि नेता चाहें। राहुल गांधी को विपक्ष के कई नेता पीएम पद का योग्य प्रत्याशी नहीं मानते हैं क्योंकि वह हर मामले में पीएम मोदी से कोसो पीछे हैं।वह पीएम मोदी से तीन बार हारे हुए है।यही वजह है कि विजय का नाम सामने आने के बाद से कांग्रेस नेता यह कहने लगे हैं कि इंडी ब्लाक की तरफ से तो राहुल गांधी ही पीएम का चेहरा होंगे।अभिजीत दीपके युवाओं की पसंद हैं,वह एक सफल आंदोलन कर चुके हैं, इससे युवाओं में उनकी स्वीकार्यता बढ़ी वह केजरीवाल से ज्यादा पसंद किए जा रहे हैं तो यह केजरीवाल के साथ ही विपक्ष के नेताओं के लिए चिंता की बात हो सकती है ।

जब-जब अधर्म का अंधेरा आए, सावधानी से धर्म पर काम करें

करन सिंह होरा
संपादक
साकार भारत

मानव जीवन में धर्म और अधर्म का संघर्ष अनादि काल से चला आ रहा है। धर्म कभी पूरी तरह समाप्त नहीं होता और न ही अधर्म को हमेशा के लिए मिटाया जा सकता है। समय के साथ दोनों की उपस्थिति और प्रभाव बदलते रहते हैं। कभी धर्म का प्रकाश अधिक दिखाई देता है तो कभी अधर्म का अंधकार समाज और जीवन पर हावी होता नजर आता है। ऐसे समय में निराश होने के बजाय हमें अधिक सजग होकर धर्म, सत्य और सदाचार के मार्ग पर काम करना चाहिए।

भारतीय परंपरा और हमारे धार्मिक ग्रंथ इस सत्य को स्पष्ट करते हैं कि अधर्म की प्रवृत्ति को पूरी तरह समाप्त करना संभव नहीं है, लेकिन उस पर नियंत्रण अवश्य रखा जा सकता है। भगवान श्रीराम के समय रावण था और भगवान श्रीकृष्ण के समय कंस सहित अनेक अधर्मी शक्तियां थीं। इसका अर्थ यही है कि जब भी समाज में नकारात्मकता बढ़ती है, उसके संतुलन और प्रतिकार के लिए सकारात्मक शक्ति भी सामने आती है।

श्रीकृष्ण ने धर्म की पुनर्स्थापना की बात कही थी। इसका अर्थ केवल अधर्म के विरुद्ध संघर्ष करना नहीं, बल्कि धर्म के प्रकाश को अधिक मजबूत करना भी है। अक्सर हम अपने जीवन में बुराइयों, गलत लोगों और नकारात्मक घटनाओं पर अधिक ध्यान देते हैं। हमारी रुचि अधर्म को समझने और उसकी चर्चा करने में अधिक हो जाती है, जबकि धर्म, सदाचार, सेवा और प्रेम को जीवन में उतारने के लिए उतना प्रयास नहीं किया जाता।

जब अधर्म का अंधेरा बढ़े तो केवल अंधकार को कोसना पर्याप्त नहीं है। उस समय हमें अपने भीतर और आसपास प्रकाश बढ़ाने की आवश्यकता होती है। परिवार में अच्छे संस्कार, समाज में सेवा की भावना, व्यवहार में सत्य और संबंधों में विश्वास—ये सभी धर्म को मजबूत करने के छोटे लेकिन प्रभावशाली माध्यम हैं।

धर्म का अर्थ केवल पूजा-पाठ या धार्मिक कर्मकांड तक सीमित नहीं है। अपने कर्तव्य का ईमानदारी से पालन करना, किसी के साथ अन्याय न करना, जरूरतमंद की सहायता करना और सत्य के पक्ष में खड़े होना भी धर्म है। परिस्थितियां चाहे कितनी भी कठिन हों, हमें अपने आचरण से यह सुनिश्चित करना चाहिए कि अधर्म का प्रभाव हमारे भीतर प्रवेश न कर सके।

इसलिए जब-जब जीवन और समाज में अधर्म का अंधेरा दिखाई दे, भयभीत होने के बजाय सावधानी और विवेक के साथ धर्म के प्रकाश को बढ़ाने का प्रयास करें। अंधकार से लड़ने का सबसे प्रभावी उपाय प्रकाश को मजबूत करना ही है।

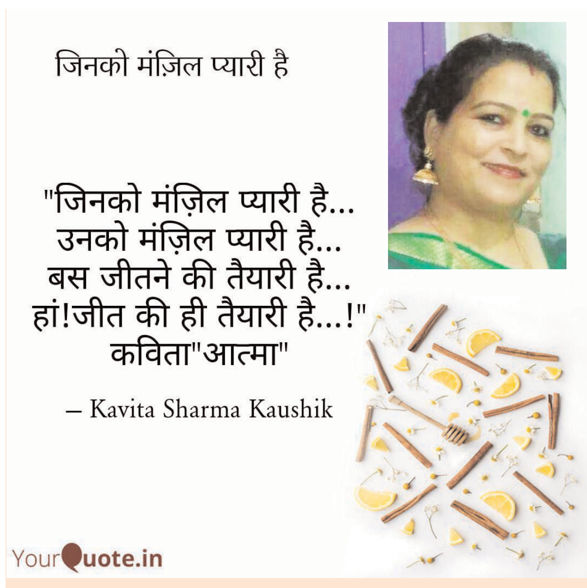

युग तुलसी श्रीरामकिंकर उवाच ...

कैकेई अंबा का चरित्र एक ऐसा विलक्षण चरित्र है कि जिसकी एक ओर तो घोर निंदा की गई है तथा दूसरी ओर उन्हीं कैकेईजी की सराहना भगवान राम करते हैं। इसका सीधा-सा तात्पर्य है कि क्रिया के भी दो रूप हमारे सामने आते हैं। क्रिया कभी तो निन्दिता हो जाती है और कभी बंदिता। क्रिया का द्वितीय पक्ष यह है कि जिन कैकेईजी के भवन में जाकर महाराज श्रीदशरथ मूर्छित हो गए उन्ही के भवन में भगवान राम भी गए पर भगवान राम तो वहां आदि से अंत तक मुस्कुराते ही रहे। भगवान राम को तो कैकेईजी से वार्तालाप करते हुए अत्यंत प्रसन्नता होती है। इसलिए तो भगवान श्रीराम व्यंग्य करते हुए यह कहते हैं कि हमारी माता को बुरा लोग यही मानकर कहते हैं कि जिन्होंने राम को वन दिया। वे बुरी हैं। लेकिन भई ! वन तो मुझे दिया पर मुझे तो बुरा नहीं लग रहा है, इसलिए मुझे निमित्त बनाकर निंदा करना ठीक नहीं है। भगवान राम की जो दृष्टि है उसके पीछे निहित तात्पर्य क्या है इस पर विचार करने की आवश्यकता है।

शिष्य विशु व्ही.पी. नेगी
श्री रामकिंकर आध्यात्मिक मिशन रायपुर
मो.नं. 9425227937

Vastu Guruji
BEST PLACE FOR VASTU REMEDY

BUY NOW >
CALL 9770888888

लाभांडी से कचना होते हुए सड्डू तक बनेगी मास्टर प्लान की नई सड़क

रायपुर। शहर के 2021 के मास्टर प्लान में तय की गई एमआर 43 सड़क का काम बहुत जल्द शुरू होगा। लाभांडी से कचना होते हुए सड्डू तक बनने वाली करीब तीन किलोमीटर की नई सड़क के लिए लैंड यूज चेंज करने अधिसूचना जारी कर दी गई है। इस नई सड़क के बनने से तीन लाख से ज्यादा लोगों को सीधा फायदा होगा।

लाभांडी, कचना, सड्डू और बलौदाबाजार की ओर जाने वाले लोगों का कम से कम 20 मिनट समय बचेगा। उन्हें किसी जाम में भी नहीं फंसना होगा। नई सड़क बनने के बाद सड्?ड्डू, कचना और विधानसभा रोड पर भी लगातार बढ़ा रहा ट्रैफिक का दबाव कम होगा।

आवास एवं पर्यावरण विभाग के विशेष सचिव देवेंद्र भारद्वाज की ओर से जमीन के खसरा नंबरों के साथ शुक्रवार को इसकी सूचना अखबारों में जारी की गई है। इसमें शहर के दो बड़े बिल्डरों की एकड़ों की जमीन भी दायरे में आ रही है। इस सूचना में दावा-आपत्ति के लिए 15 दिन का समय दिया गया है।

तय समय के बाद किसी भी तरह की आपत्ति मंजूरी नहीं की जाएगी। गौरतलब है कि रायपुर के 2031 के मास्टर प्लान में भी इस सड़क को शामिल किया गया है। यही वजह है कि राज्य सरकार इस सड़क को बनाने के लिए जल्द फैसले ले रही है। लोग अपनी आपत्तियों को कलेक्टोरट, संभाग कमिश्नर, टाउन प्लानिंग और निगम दफ्तर में कर सकते हैं।

नई सड़क के लिए 99.100 हेक्टेयर जमीन का अधिग्रहण किया जा रहा है। यह जमीन अभी आवासीय है। इसके लैंड यूज परिवर्तन कर इसे मिश्रित किया जा रहा है। तीन किलोमीटर इस लंबी सड़क का निर्माण रायपुर विकास प्राधिकरण और लोक निर्माण विभाग वाले करेंगे। लाभांडी, कचना, सड्डू से होते हुए इस सड़क को बलौदाबाजार जाने वाली सड़क से मिलाया जाएगा।

इन इलाकों के लोगों को सबसे ज्यादा फायदा

नई सड़क बनने से वीआईपी स्टेट खम्हारडीह, अशोका रतन, कचना हाउसिंग बोर्ड, पिरदा, बाराडेरा, जोरा, चंडीनगर, पार्वती नगर और भावना नगर जैसे इलाकों के लोगों को बड़ा फायदा होगा। आठ से ज्यादा वार्डों के करीब तीन लाख लोग सीधे रिंग रोड से जुड़ सकेंगे।

लोगों को ट्रैफिक सिग्नल और जाम से राहत मिलेगी। केवल कचना के ही इलाके में 20 से ज्यादा नई कॉलोनियां बन रही हैं। ऐसे में इन कॉलोनियों में भी रहने वाले लोगों को नई सड़क का बड़ा फायदा होगा।

ग्रीन लैंड की वजह से आरडीए बनाएगा सड़क

एमआर-43 सड़क का बड़ा हिस्सा ग्रीन लैंड है। इस वजह से इसका लैंड यूज बदला जा रहा है। ग्रीन लैंड की वजह से सड़क की शुरुआत का निर्माण आरडीए करेगा। करीब 2 किमी सड़क लोक निर्माण विभाग वाले बनाएंगे। सड़क के लिए सर्वे का काम कई समय पहले ही पूरा हो चुका है।

ग्रीन लैंड में 293 खसरे शामिल हैं। करीब 10 हेक्टेयर सरकारी जमीन भी शामिल है। नई सड़क कोर्ट यार्ड मैरियट होटल के पास से पहले दाहिने जुड़ेगी और रेलवे क्रॉसिंग पार कर सीधे कचना ओवरब्रिज से जुड़ जाएगी।

नई सड़क बनाने की जरूरत क्यों पड़ी

रायपुर विकास प्राधिकरण की ओर से कौशल्या विहार के लगभग 16 साल बाद नवा रायपुर के पास पिरदा और तुलसी गांव में 143 हेक्टेयर (करीब 353.4 एकड़) जमीन पर नई टाउनशिप बना रहा है। इस योजना के तहत जमीन मालिकों को उनकी जमीन के बदले 40% डेवलप लैंड वापस दी जाएगी।

किराए पर उपलब्ध है
तेलीबांधा शीतल कॉम्प्लेक्स में दुकान/ऑफिस के लिए जगह किराए पर उपलब्ध है।
संपर्क-9302222222

6 महीने में आगजनी से 3 करोड़ का नुकसान

रायपुर। प्रदेश की सभी 705 सरकारी शराब दुकानें पिछले चार साल से बिना बीमा के संचालित हो रही हैं। इसकी वजह से अगर कहीं आगजनी होती है तो उसकी भरपाई विभाग को ही करनी पड़ रही है। 6 महीने में चार बड़ी घटनाएं हुईं, जिसमें करीब 3 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। जब चारों दुकानों में आग के पैटर्न को जांचा तो एक जैसी कहानी सामने आई। चारों दुकानों में सीसीटीवी कैमरे जलने की बात सामने आई। सभी दुकानों आग लगने की वजह शार्ट सर्किट ही बताई गई। नवंबर 2025 में दंतेवाड़ा के बचेली की दुकान में लगी आग की जब पुलिस ने जांच की तो सामने आया कि आग जानबूझकर लगाई गई थी। 3 अगस्त 2026 को बिलासपुर के व्यापार बिहार की दुकान में लगी आग भी शार्ट सर्किट से ही बताई गई, लेकिन आबकारी विभाग ने उसकी एफआईआर ही नहीं करवाई। जिसकी वजह से पीछे की कहानी सामने ही नहीं आई। इसके पहले बिलासपुर में फरवरी में सकरी दुकान में लगी आग में भी एफआईआर नहीं करवाई गई थी।

नेपाल में छत्तीसगढ़ के दो नागरिक लापता:रायपुर के 5 रहवासी लौट रहे प्रदेश, लापता लोगों की तलाश जारी

रायपुर। नेपाल में बाढ़ और भूस्खलन से बने गंभीर हालात के बीच छत्तीसगढ़ सरकार ने वहां मौजूद प्रदेश के नागरिकों की सुरक्षा को लेकर निगरानी और राहत प्रयास तेज कर दिए हैं। राज्य सरकार नेपाल में मौजूद छत्तीसगढ़ के नागरिकों की लगातार जानकारी जुटा रही है।

अब तक प्रदेश से जुड़े 9 नागरिकों के संबंध में जानकारी सामने आई है। प्रशासन के अनुसार, इनमें 2 नागरिकों के परिजनों से संपर्क स्थापित हो चुका है। रायपुर के 5 नागरिक सुरक्षित हैं और नेपाल से छत्तीसगढ़ लौटने के लिए रवाना हो चुके हैं। वहीं, बिलासपुर और सरगुजा से जुड़े 2 नागरिकों के अब भी लापता होने की सूचना है।

मोनिका और मंजू के परिजनों से प्रशासन का संपर्क

रायपुर के महादेव घाट निवासी मोनिका यादव 22 अगस्त को नेपाल गई थीं। नेपाल में बाढ़ के बाद उनसे संपर्क टूट गया था और उनके लापता होने की सूचना मिली थी। अब प्रशासन ने मोनिका के परिजनों से संपर्क कर लिया है। उनकी स्थिति के संबंध में संबंधित एजेंसियों से जानकारी जुटाई जा रही है। इसी तरह बिलासपुर की 65 वर्षीय मंजू राय चौधरी कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए नेपाल गई थीं। उनके परिजनों से भी प्रशासन का संपर्क हो गया है। प्रशासन उपलब्ध जानकारी का सत्यापन कर आवश्यक समन्वय कर रहा है। बिलासपुर निवासी 39 वर्षीय प्रियंका चौधरी के नेपाल में लापता होने की सूचना मिली है। वे फिनलैंड की नागरिक हैं। परिजनों से मिली जानकारी के आधार पर प्रशासन संबंधित एजेंसियों के संपर्क में है और उनकी तलाश को लेकर जानकारी जुटाई जा रही है। इसी तरह सुरगुजा निवासी डॉ. मीना गुप्ता के भी नेपाल में लापता होने की सूचना है। वे यूनाइटेड किंगडम की नागरिक हैं। उनका अंतिम ज्ञात स्थान नेपाल-चीन सीमा स्थित रसुवागढ़ी इमिग्रेशन कार्यालय बताया गया है। प्रशासन संबंधित एजेंसियों से समन्वय कर उनके संबंध में जानकारी जुटा रहा है।

5 नागरिक सुरक्षित, रायपुर लौट रहे

रायपुर के माना क्षेत्र निवासी दिनेश ओझा, प्रेम सिंह जगत, नारायण सेन, यतेंद्र प्रकाशी और दिनेश सिंह ठाकुर के सुरक्षित होने की पुष्टि हुई है। पांचों 21 अगस्त को नेपाल गए थे और अब रायपुर लौटने के लिए रवाना हो चुके हैं।

बाढ़ से पहले और बाद की सैटेलाइट तस्वीरों में नेपाल-चीन सीमा का रसुवागढ़ी बॉर्डर पोस्ट। बाढ़ और लैंडस्लाइड के बाद पोस्ट पूरी तरह तबाह नजर आया।

बाढ़ से पहले और बाद की सैटेलाइट तस्वीरों में नेपाल-चीन सीमा का रसुवागढ़ी बॉर्डर पोस्ट। बाढ़ और लैंडस्लाइड के बाद पोस्ट पूरी तरह तबाह नजर आया।

नेपाल प्रशासन-केंद्रीय एजेंसियों के संपर्क में राज्य सरकार

राज्य सरकार नेपाल प्रशासन और केंद्रीय एजेंसियों के साथ लगातार समन्वय बनाए हुए है। जिला प्रशासन के जरिए परिजनों को भी आवश्यक जानकारी और सहयोग दिया जा रहा है। सरकार ने अपील की है कि नेपाल में मौजूद किसी छत्तीसगढ़वासी के संबंध में जानकारी मिलने पर तत्काल प्रशासन को सूचित करें।

ओडिशा से छत्तीसगढ़ होते हुए 10 राज्यों में फैला खैर तस्करी का जाल

रायपुर। छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश और ओडिशा के घने जंगलों से 'लाल सोना' यानी खैर का पेड़ आज देश के 10 बड़े राज्यों में फैले एक समानांतर और संगठित औद्योगिक साम्राज्य का मुख्य कच्चा माल बन चुका है।

छत्तीसगढ़, ओडिशा, मध्यप्रदेश, हरियाणा और हिमा चल प्रदेश में जांच में लगे अफसरों से बात की तो पता चला कि लकड़ी तस्करी का यह नेटवर्क केवल दो-तीन राज्यों के बीच तक सीमित नहीं है, बल्कि यह छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश और ओडिशा के सुदूर बीहड़ों से शुरू होकर उत्तर भारत की विशालकाय फैक्ट्रियों तक फैला एक सुव्यवस्थित सप्लाई चेन मॉडल बन गया है।

वन विभाग के मुताबिक सिंडिकेट का मास्टरमाइंड और मुख्य सरगना सरसींवा का मनीष अग्रवाल है। वन विभाग के मुताबिक मोबाइल के आधार पर मनीष के नेपाल के आसपास छिपे होने की आशंका है।

e-KYC का समय खत्मः करीब 6 लाख लोगों के कनेक्शन ब्लॉक, नहीं हो रही है गैस की बुकिंग

रायपुर। केंद्र सरकार की ओर से ई-केवाईसी के लिए दी गई समय सीमा 23 अगस्त को खत्म हो गई। पेट्रोलियम कंपनियों के अनुसार अभी भी राज्यभर में करीब 70 लाख ग्राहकों में 6 लाख से ज्यादा ने सत्यापन नहीं कराया है। अब इनके गैस कनेक्शन ब्लॉक होने शुरू हो गए हैं। इसका सबसे बड़ा असर यह हो रहा है कि ऐसे लोगों की ऑनलाइन बुकिंग नहीं हो रही है।

ऐसे लोग जब गैस एजेंसियों में जा रहे हैं तो उन्हें ई-केवाईसी कराने के लिए कहा जा रहा है। कंपनियों का दावा है कि राखी की वजह से 1 सितंबर से इस पर और सख्ती शुरू होगी। अभी जिनकी ऑनलाइन बुकिंग हो भी जा रही है तो उसे भी तत्काल बंद कर दिया जाएगा।

रायपुर जिले में एचपीसीएल, बीपीसीएल और इंडेन के लगभग सात लाख ग्राहक हैं। आखिरी तारीख तक 30 हजार से ज्यादा लोगों ने ई-केवाईसी नहीं कराई है। इनके भी कनेक्शन ब्लॉक हो रहे हैं। रायपुर समेत राज्यभर में सबसे ज्यादा इंडेन कंपनी के ग्राहक हैं। इस वजह से इसी कंपनी के लोगों ने ही सबसे ज्यादा ई-केवाईसी नहीं कराई है।

इसे लेकर कंपनी के अफसर एजेंसी वालों से खासे नाराज हैं। जिस भी एजेंसी में अब ई-केवाईसी नहीं कराने वालों की संख्या ज्यादा मिलेगी तो उसे तुरंत नोटिस दिया जाएगा। एजेंसी वाले भी इसे लेकर अलर्ट हो रहे हैं। जिनका ई-केवाईसी नहीं दिखा रहा है उन्हें फोन करके एजेंसी बुलाया जा रहा है।

सिर्फ 2 मिनट का काम... अब भी करा सकते हैं सत्यापन: गैस एजेंसी के संचालकों ने भास्कर को बताया कि ई-केवाईसी कराने का काम केवल 2 मिनट का है। कार्डधारी को एजेंसियों में आधार और गैस कार्ड लेकर जाना होगा।

एजेंसी के कर्मचारी तुरंत मोबाइल से फोटो लेकर गैस कार्ड में ई-केवाईसी की सील लगा रहे हैं। जिन लोगों के पास गैस एजेंसी जाने का समय नहीं है वे अपने मोबाइल पर पेट्रोलियम कंपनियों के एप से सत्यापन करवा सकते हैं।

जो सत्यापन नहीं कराएंगे उन्हें फर्जी मानेगी कंपनी

जो लोग गैस कनेक्शन का ई-केवाईसी नहीं करा रहे हैं उनमें एक ही नाम से एक से ज्यादा कनेक्शन, एक शहर से दूसरे शहर जाने वाले या मृत लोगों के नाम भी शामिल हैं। कंपनी वाले भी मान रहे हैं कि इसमें बड़ी संख्या फर्जी कनेक्शन लेने वालों की भी होगी। ज्यादातर ऐसे लोग होंगे जिन्होंने एक ही एड्रेस या नाम से दो या तीन कनेक्शन लिए होंगे। यही वजह है कि केंद्र सरकार की ओर से सख्ती से सत्यापन का काम कराया जा रहा है। जब तक एक-एक ग्राहक का सत्यापन नहीं हो जाता सख्ती जारी रहेगी।

जेल में बंद भाइयों से मिलकर भावुक हुईं बहनें: छत्तीसगढ़ में 24 हजार बहनों ने बांधी राखी

रायपुर। 28 अगस्त यानि आज रक्षाबंधन मना गया। छत्तीसगढ़ के अलग-अलग क्षेत्र के जेलों से रक्षाबंधन मनाने की तस्वीर सामने आई है। जेलों के बाहर बहनों की लंबी लाइन लगी है। कहीं बहनें भावुक नजर आईं तो कहीं बहनों ने अपने भाइयों को मिठाई खिलाई और उनका हालचाल जाना। बिलासपुर, रायगढ़, दुर्ग, बलौदाबाजार और अंबिकापुर की जेलों में विशेष व्यवस्था की गई है।

डीजी जेल हिमांशु गुप्ता ने जानकारी दी कि प्रदेश की 5 केंद्रीय, 22 जिला और 6 उपजेलों में बहनों ने अपने बंदी भाइयों से मुलाकात की। इस साल कुल 24,110 बहनों ने 8,597 पुरुष बंदियों को राखी बांधी। जबकि पिछले साल करीब 12 हजार बहनों ने राखी बांधी थी।

रायपुर के ट्रांसजेंडर शेल्टर होम 'गरिमा गृह' में भी रक्षाबंधन मनाया गया। वहीं, कांकेर जिले के भानुप्रतापपुर क्षेत्र के ग्राम चौगेल (मुल्ला) में सरेंडर महिला नक्सलियों ने छत्रन्न जवानों को राखी बांधी।

राखी बांधने में सबसे ज्यादा बहनें केंद्रीय जेल बिलासपुर पहुंचीं। यहां 4,757 बहनों ने 1,469 पुरुष बंदियों को राखी बांधी। इसके बाद केंद्रीय जेल दुर्ग में 4,010 और केंद्रीय जेल रायपुर में 3,297 बहनें पहुंचीं।

इन तीन जेलों में ही कुल 12,064 बहनें अपने भाइयों को राखी बांधने पहुंचीं। यानी प्रदेश में पुरुष बंदियों को राखी बांधने पहुंची हर दो बहनों में से करीब एक इन तीन केंद्रीय जेलों में पहुंची।

रायपुर में महिला बंदियों से भी राखी बंधी

केंद्रीय जेल रायपुर में 34 महिला बंदियों ने 55 भाइयों से राखी बंधवाई। वहीं 1,424 पुरुष बंदियों को 3,297 बहनों ने राखी बांधी। इस तरह रायपुर जेल में कुल 1,458 बंदियों से 3,352 लोगों ने मुलाकात की।

इस्कॉन मंदिर में तीन दिवसीय भव्य जन्माष्टमी महोत्सव:नए मंदिर परिसर में होंगे धार्मिक आयोजन, श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं का होगा गुणगान

रायपुर। इस्कॉन मंदिर टाटीबंध रायपुर में 3 से 5 सितंबर तक तीन दिवसीय जन्माष्टमी महामहोत्सव का आयोजन किया जाएगा। इस बार महोत्सव नए मंदिर परिसर में होगा। आयोजन की तैयारियों को लेकर मंदिर अध्यक्ष एच.एच. सिद्धार्थ स्वामी, फेस्टिवल कमेटी के चेयरमैन राजेश अग्रवाल और वाइस चेयरमैन शुभम सिंघल की अध्यक्षता में बैठक हुई। कार्यक्रम को व्यवस्थित करने के लिए अलग-अलग समितियां बनाई गई हैं। इनमें वित्त, मीडिया, प्रसाद, दर्शन, पार्किंग, प्रशासन, टेंट, लाइट, फूल और मंच व्यवस्था की जिम्मेदारी शामिल है।

महोत्सव की शुरुआत 3 सितंबर को सुबह 9 बजे भक्ति नृत्य समूह प्रतियोगिता के साथ होगी। इसके साथ भक्ति श्लोक वाचन, चित्रांकन, पुष्प हार समर्पण, भजन गायन और बाल भक्ति वेशभूषा प्रतियोगिताएं भी होंगी। प्रतियोगिताएं सब-जूनियर (5 से 10 वर्ष), जूनियर (11 से 17 वर्ष) और सीनियर (18 से 25 वर्ष) वर्ग में होंगी। 3 से 6 वर्ष के बच्चों के लिए बाल भक्ति वेशभूषा प्रतियोगिता रखी गई है। एकल प्रतिभागी के लिए पंजीयन शुल्क 100 रुपए और समूह के लिए 300 रुपए है।

4 सितंबर को जन्माष्टमी का मुख्य आयोजन

जन्माष्टमी के दिन सुबह 4.30 बजे मंगल आरती से कार्यक्रम शुरू होंगे। सुबह 9.30 से 10.30 बजे तक सिद्धार्थ स्वामी श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं का गुणगान करेंगे। इसके बाद भजन-कीर्तन, राजभोग आरती और अन्य धार्मिक कार्यक्रम होंगे। शाम 5 से 7 बजे तक कथक कलाकार रवि प्रकाश की प्रस्तुति होगी। शाम 7 से रात 9 बजे तक इस्कॉन मायापुर के मृदंगा कीर्तन समूह द्वारा भजन-कीर्तन किया जाएगा।

रात में होगा श्रीकृष्ण का महाभिषेक

जन्माष्टमी की रात 9 से 11.30 बजे तक श्रीकृष्ण का महाभिषेक किया जाएगा। रात 12 बजे छप्पन भोग अर्पित होगा और 12.15 बजे महाआरती होगी। श्रद्धालुओं के लिए सुबह 9 बजे से रात 2 बजे तक दर्शन की व्यवस्था रहेगी। प्रसाद वितरण सुबह 10 बजे से रात 2 बजे तक किया जाएगा। शाम 7 बजे से हर घंटे आरती और सुबह 11 बजे से हरिनाम संकीर्तन चलता रहेगा।

5 सितंबर को व्यास पूजा महोत्सव

महोत्सव के तीसरे दिन 5 सितंबर को व्यास पूजा महोत्सव होगा। सुबह 4.30 बजे मंगल आरती, 7.30 बजे गुरु पूजा और 8.30 बजे श्रृंगार दर्शन होगा। सुबह 9.30 से 11 बजे तक श्रील प्रभुपाद गुणगान और 11 बजे से दोपहर 12 बजे तक श्रील प्रभुपाद महाभिषेक होगा। दोपहर 12 बजे राजभोग अर्पण, 12.30 बजे राजभोग आरती और दोपहर 1 बजे से प्रसादम की व्यवस्था रहेगी। शाम 7 बजे संध्या आरती और रात 8.30 बजे शयन आरती होगी।

व्यापक व्यवस्था के लिए समितियां बनाई गईं

मंदिर के मीडिया प्रभारी दिलीप केडिया और राजेन्द्र पारख ने बताया कि पिछले वर्ष की सफलता को देखते हुए इस बार भी जन्माष्टमी महोत्सव को भव्य रूप देने की तैयारी की जा रही है। मंदिर अध्यक्ष एच.एच. सिद्धार्थ स्वामी ने श्रद्धालुओं से तीनों दिन के कार्यक्रमों में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की है।

वास्तु गुरुजी सिकंदर राणा जी के अनुसार आज का राशिफल

मो.नं. : 9770888888

मेष। आज नौकरी और करियर के क्षेत्र में नई संभावनाएं सामने आ सकती हैं। कार्यक्षेत्र में आपकी सक्रियता और मेहनत वरिष्ठ अधिकारियों को प्रभावित करेगी। किसी नए प्रोजेक्ट, जिम्मेदारी या पद से जुड़ा अवसर मिल सकता है, जिसे गंभीरता से लेना आपके लिए लाभकारी रहेगा। व्यवसाय से जुड़े लोगों को भी नए संपर्कों से फायदा होने की संभावना है।

वृषभ। आज अपने मौजूदा कार्यों और जिम्मेदारियों पर पूरा ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है। अधूरे कामों को प्राथमिकता देकर पूरा करने का प्रयास करें। आर्थिक मामलों में जल्दबाजी करना नुकसानदायक हो सकता है, इसलिए कोई भी बड़ा निवेश या वित्तीय निर्णय सोच-समझकर ही लें। व्यापारियों को नए सौदों की शर्तों को ध्यान से पढ़ना चाहिए।

मिथुन। आज पैसों से जुड़े मामलों को लेकर मन में थोड़ी चिंता रह सकती है। खर्चों और आय के बीच संतुलन बनाए रखने की कोशिश करें तथा अनावश्यक खरीदारी से बचें। कार्यक्षेत्र में टीम वर्क आपके लिए विशेष रूप से लाभकारी साबित होगा। सहकर्मियों के साथ मिलकर काम करने से कठिन कार्य भी समय पर पूरे हो सकते हैं। व्यापार में साझेदारी से जुड़े मामलों में सकारात्मक परिणाम मिलने की संभावना है।

कर्क। आज व्यापार और कारोबार से जुड़े मामलों में सोच-समझकर थोड़ा जोखिम लेना लाभदायक हो सकता है। नई योजना या अवसर सामने आए तो उसकी पूरी जानकारी लेने के बाद आगे बढ़ें। अत्यधिक सावधानी के कारण अच्छे अवसर हाथ से न जाने दें, लेकिन बिना योजना के बड़ा जोखिम लेने से भी बचें। नौकरीपेशा लोगों को कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। मन को शांत और संतुलित रखना आज बहुत जरूरी होगा।

सिंह। आज सूर्य और बुध की स्थिति आपके आत्मविश्वास और संवाद शैली को मजबूत बना सकती है। कार्यक्षेत्र में अपनी बात प्रभावी ढंग से रखने में सफलता मिलेगी और वरिष्ठ अधिकारी आपके विचारों को महत्व दे सकते हैं। नौकरीपेशा लोगों के लिए नई जिम्मेदारियां या अवसर सामने आ सकते हैं। व्यापार में बातचीत और संपर्कों के माध्यम से लाभ मिलने की संभावना है। किसी महत्वपूर्ण बैठक या प्रस्तुति में आपका प्रदर्शन प्रभावशाली रह सकता है।

कन्या। आज कार्यक्षेत्र में प्रमोशन, प्रगति या नई जिम्मेदारी मिलने के योग बन सकते हैं। आपकी मेहनत और अनुशासन का सकारात्मक परिणाम मिलेगा। कोई महत्वपूर्ण निर्णय लेने का अवसर आए तो अपनी बुद्धि और अनुभव का उपयोग करें। समझदारी से लिया गया फैसला भविष्य में आपके करियर को मजबूत बना सकता है। व्यवसाय से जुड़े लोगों को योजनाबद्ध तरीके से काम करने से लाभ होगा।

तुला। आज आर्थिक मामलों में संतुलन बनाकर चलने की आवश्यकता है। आय और खर्चों का सही हिसाब रखने से भविष्य की चिंताएं कम होंगी। अनावश्यक खरीदारी या दिखावे पर धन खर्च करने से बचें। यदि निवेश करने की योजना है तो पहले पूरी जानकारी प्राप्त करें और जल्दबाजी में निर्णय न लें। कार्यक्षेत्र में आपकी जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं, लेकिन मेहनत से अच्छे परिणाम मिलेंगे।

वृश्चिक। आज रिश्तों में संवाद को बेहतर बनाए रखना आपके लिए महत्वपूर्ण रहेगा। परिवार, मित्रों और जीवनसाथी के साथ खुलकर बातचीत करने से गलतफहमियां दूर हो सकती हैं। कार्यक्षेत्र में सहकर्मियों का सहयोग मिलने से लंबे समय से अटके हुए काम गति पकड़ेंगे। टीम के साथ मिलकर काम करने पर आपकी कार्यक्षमता और परिणाम दोनों बेहतर होंगे। व्यापार में साझेदारों के साथ पारदर्शिता बनाए रखना जरूरी है।

धनु। आज यात्रा या नए संपर्क भविष्य में आपके लिए लाभदायक साबित हो सकते हैं। काम या व्यापार के सिलसिले में की गई यात्रा से नई संभावनाएं सामने आ सकती हैं। नए लोगों से मिलने और नेटवर्किंग बढ़ाने का अवसर मिलेगा, जिसका फायदा आगे चलकर करियर में मिल सकता है। नौकरीपेशा लोगों को कार्यक्षेत्र में सक्रिय रहना होगा और नई जिम्मेदारियों को स्वीकार करना चाहिए। आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी, लेकिन यात्रा के दौरान खर्च बढ़ सकता है।

मकर। आज भविष्य की योजनाओं और वित्त से जुड़े मामलों में अधिक स्पष्टता आने की संभावना है। लंबे समय से जिस योजना को लेकर असमंजस बना हुआ था, उसमें सही दिशा मिल सकती है। आर्थिक मामलों में धैर्य और संयम बनाए रखें। जल्दबाजी में निवेश या बड़ा खर्च करने से बचें। कार्यक्षेत्र में अपनी प्राथमिकताओं को तय करके काम करना लाभदायक रहेगा। वरिष्ठ अधिकारियों या अनुभवी व्यक्तियों की सलाह भविष्य की योजनाओं में मदद कर सकती है। व्यापार में विस्तार से जुड़े निर्णय सोच-समझकर लें।

कुंभ। आज नेटवर्किंग बढ़ाने और नए लोगों से जुड़ने के लिए समय अनुकूल है। सामाजिक और व्यावसायिक संपर्क आपके लिए भविष्य में नए अवसर लेकर आ सकते हैं। कार्यक्षेत्र में अपनी प्रतिभा और विचारों को खुलकर प्रस्तुत करें। टीम वर्क में आपकी भूमिका महत्वपूर्ण हो सकती है। आलस्य से दूर रहना जरूरी है, क्योंकि टालमटोल करने से अच्छे अवसर हाथ से निकल सकते हैं। व्यापारियों को नए ग्राहकों या साझेदारों से लाभ मिलने की संभावना है।

मीन। आज कार्यक्षेत्र में तरक्की और सफलता मिलने के अच्छे योग बन रहे हैं। आपकी मेहनत, प्रतिभा और सकारात्मक दृष्टिकोण से वरिष्ठ अधिकारी प्रभावित हो सकते हैं। किसी महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट में सफलता मिलने की संभावना है। सामूहिक प्रयासों से विशेष लाभ होगा, इसलिए सहकर्मियों और टीम के साथ तालमेल बनाकर चलें। व्यापार में साझेदारी से जुड़े कार्यों में सकारात्मक परिणाम मिल सकते हैं। आर्थिक स्थिति में सुधार की संभावना है और पुराने प्रयासों का लाभ मिल सकता है। परिवार का पूरा सहयोग मिलेगा, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। विद्यार्थियों को समूह चर्चा और सामूहिक अध्ययन से लाभ हो सकता है।

एई और जेई की आंतरिक नियुक्ति 10 माह से अटकी

फरवरी 2024 में विज्ञापन, 127 कर्मचारियों ने 9 अक्टूबर 2025 को दिया एग्जाम

रांची। झारखंड ऊर्जा विकास निगम लिमिटेड (जेयूवीएनएल) की आंतरिक नियुक्ति प्रक्रिया करीब 10 महीने से अटकी हुई है। अभियंताओं की भारी कमी के बीच सहायक अभियंता (एई) और कनीय अभियंता (जेई) के करीब 100 पदों पर आंतरिक नियुक्ति की प्रक्रिया पूरी नहीं हो सकी है। 9 अक्टूबर 2025 को परीक्षा होने और नवंबर में उत्तर कुंजी पर आपत्तियों के निराकरण के बावजूद अब तक परिणाम जारी नहीं किया गया है।

निगम ने विज्ञापन संख्या 01/2024, 03/2024, 04/2024 और 05/2024 के माध्यम से फरवरी 2024 में आंतरिक नियुक्ति के लिए आवेदन मांगे थे। इसका उद्देश्य निगम में पहले से कार्यरत योग्य डिप्लोमा इंजीनियरिंग डिग्रीधारी कर्मचारियों को एई और जेई के पदों पर नियुक्त करना था। इनमें ऊर्जा विकास निगम एवं इसकी अनुषंगी इकाइयों में कार्यरत जूनियर लाइनमैन, स्विच बोर्ड ऑपरेटर, सहायक परिचालक, कार्यालय सहायक और फोर्थ ग्रेड कर्मी समेत विभिन्न श्रेणी के कर्मचारी शामिल हैं, जिन्होंने इसकी परीक्षा लिखी थी।

127 अभ्यर्थी शामिल हुए। नवंबर 2025 में उत्तर कुंजी जारी की गई और उससे संबंधित आपत्तियों का भी निराकरण कर दिया गया। इसके बाद करीब 10 महीने बीत गए, अबतक रिजल्ट जारी नहीं हुआ।

रिजल्ट जारी होने पर निगम को मिलते 35 एई व 65 जेई

नियुक्ति प्रक्रिया पूरी होने पर करीब 35 सहायक अभियंता और 65 कनीय अभियंता मिल सकते हैं। बिजली व्यवस्था से जुड़े कर्मियों का कहना है कि अभियंताओं की मौजूदा कमी को देखते हुए यह नियुक्ति तुरंत राहत दे सकती है। इससे फील्ड स्तर पर तकनीकी निगरानी, लोकल फॉल्ट के समाधान, बिजली आपूर्ति बहाल करने और उपभोक्ताओं की शिकायतों के निपटारे में मदद मिल सकती है।

3347 पदों पर नई भर्ती की है तैयारी, पुरानी का रिजल्ट बाकी

ऊर्जा विभाग और जेयूवीएनएल की ओर से करीब 3347 पदों पर नियुक्ति प्रक्रिया नवंबर तक शुरू करने की बात कही जा रही है। पिछले महीने मुख्यमंत्री सह ऊर्जा मंत्री हेमंत सोरेन की समीक्षा बैठक में भी निगमों में मैनपावर की कमी का मुद्दा उठा था। सीएम ने भर्ती प्रक्रिया शुरू करने का निर्देश दिया था।

रिजल्ट निकालने पर काम जारी है। दरअसल ऊर्जा विकास निगम के प्रबंधन में आए बदलाव के कारण विलंब हुआ। सभी चीजों को ध्यान में रखते हुए बहुत जल्द रिजल्ट प्रकाशित कर दिया जाएगा। - राजेश कुमार पांडेय, डीजीएम, ऊर्जा विकास निगम

राष्ट्रीय आयुष मिशन के लिए 11.55 करोड़ रुपए आवंटित: 'एसएनए स्पर्श' से आयुष मिशन की राशि की निकासी और हस्तांतरण

रांची। झारखंड में राष्ट्रीय आयुष मिशन के प्रभावी संचालन के लिए केंद्र सरकार ने 11 करोड़ 55 लाख 48 हजार रुपए की राशि आवंटित की है। स्वास्थ्य विभाग ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए इस संबंध में आधिकारिक आदेश जारी कर दिया है। केंद्र प्रायोजित यह योजना 60:40 के अनुपात पर संचालित होगी।

इसमें 60% केंद्रांश व 40% राज्यांश है। राशि 'एसएनए स्पर्श' के माध्यम से उपलब्ध कराई गई है। इसी प्रणाली के जरिए राशि की निकासी और हस्तांतरण होगा। स्वास्थ्य विभाग के आदेश के अनुसार फंड का इस्तेमाल केवल भारत सरकार से स्वीकृत योजनाओं और कार्यक्रमों में ही किया जा सकेगा।

राशि का उपयोग निर्धारित उद्देश्य से अलग किसी अन्य मद में नहीं किया जाएगा। राज्य में आयुष मिशन से जुड़ी योजनाओं और कार्यक्रमों के संचालन में इस राशि का उपयोग होगा।

फंडिंग व खर्च की शर्तें

फंडिंग पैटर्न (60:40): योजना में 60% राशि केंद्र और 40% राशि राज्य सरकार वहन करेगी। सक्षम स्तर से मंजूरी जरूरी : राशि निकासी से पहले संबंधित योजनाओं व कार्यक्रमों के लिए सक्षम प्राधिकार की प्रशासनिक स्वीकृति अनिवार्य।

राज्य स्तर पर 'उप निदेशक (यूनानी)' व जिला स्तर पर संबंधित 'जिला आयुष चिकित्सा पदाधिकारी' को निकासी एवं व्ययन पदाधिकारी बनाया गया है। राशि की निकासी संबंधित कोषागार से की जाएगी। विभाग ने स्पष्ट किया है कि सक्षम स्तर से योजना की स्वीकृति मिलने के बाद ही राशि खर्च की जा सकेगी। इसके साथ ही पूर्व में आवंटित राशि का उपयोगिता प्रमाण-पत्र जमा करना अनिवार्य होगा। प्रमाण-पत्र जमा होने के बाद ही नई राशि खर्च की जाएगी।

आज से 4 दिन बारिश-आंधी और वज्रपात: आठ जिलों के लिए यलो अलर्ट जारी, कल 17 जिलों में बरसेंगे बादल

रांची। आज से झारखंड में मौसम का मिजाज बड़े स्तर पर बदलने की संभावना है। भारतीय मौसम के रांची केंद्र के पूर्वानुमान के अनुसार राज्य के कई हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश के साथ आंधी-तूफान, बिजली कड़कने और तेज हवाएं चल सकती हैं। आज उत्तर-पूर्वी झारखंड के दुमका, देवघर, जामताड़ा और गिरिडीह में भारी बारिश के आसार हैं।

इसके अलावा दक्षिण-पूर्वी जिलों पश्चिमी सिंहभूम, पूर्वी सिंहभूम और सरायकेला-खरसावां तथा इनसे सटे धनबाद में भी भारी बारिश हो सकती है। मौसम विभाग ने 29 अगस्त से 1 सितंबर तक का पूर्वानुमान जारी किया है।

इसके अनुसार राज्य के अलग-अलग हिस्सों में भारी बारिश, बिजली गिरने और आंधी-तूफान की आशंका को देखते हुए यलो अलर्ट जारी किया है। इस दौरान कई इलाकों में 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है।

कल 17 जिलों में बारिश, सोमवार को मध्य झारखंड पर असर

मौसम विभाग के अनुसार रविवार को शनिवार के इन आठ जिलों के अलावा पूर्वी क्षेत्र के कुल 17 जिलों में भारी बारिश की संभावना है। इसके बाद सोमवार को राज्य के मध्य हिस्सों में मौसम का असर अधिक देखने को मिलेगा। सोमवार को धनबाद, बोकारो, रामगढ़, हजारीबाग और कोडरमा समेत 12 जिलों में भारी बारिश होने की आशंका है।

वहीं मंगलवार को उत्तर-पश्चिमी झारखंड के गढ़वा, पलामू और चतरा में भारी बारिश हो सकती है। इनसे सटे मध्य झारखंड के लोहरदगा, रांची, गुमला और खूंटी में भी मंगलवार को भारी बारिश की संभावना जताई गई है।

रिम्स-2 से गुजरने वाली पिठोरिया-मेसरा रोड होगी जगमग: धुर्वा डैम के चारों ओर 5 किमी लंबा साइकिल ट्रैक-फुटपाथ बनेगा

रांची। राजधानी रांची में स्मार्ट सिटी की तर्ज पर अन्य सड़कों को भी स्मार्ट बनाने की कवायद शुरू हो गई है। शहर की वैसी सड़कें जहां भविष्य में विकास की संभावना है, उन सड़कों को चिह्नित करके विकसित करने की योजना बनाई जा रही है। पहले फेज में धुर्वा डैम के चारों ओर करीब 5 किमी लंबी सड़क को पूरी तरह विकसित किया जाएगा। सड़क की चौड़ाई बढ़ाने के साथ किनारे में फुटपाथ और साइकिल ट्रैक बनेगा। पूरी सड़क पर सोलर लाइट लगेगी। इसके अलावा धुर्वा पोस्ट ऑफिस से सिठियो रिंग रोड तक करीब 5 किमी लंबी सड़क को फोर लेन बनाया जाएगा। रोड के दोनों ओर फुटपाथ और साइकिल ट्रैक बनेगा। इसके अलावा जगह-जगह ग्रीन एरिया विकसित किया जाएगा। इस रूट में जहां जरुरी होगा वहां रेलवे ओवर ब्रिज और रेलवे अंडर पास का भी निर्माण होगा। तीसरी योजना रांची के कांके में प्रस्तावित रिम्स-2 की है। रिम्स -2 के लिए 1.70 किमी लंबी सड़क का निर्माण होगा। पिठोरिया-मेसरा रोड में होसिर, एकांबा, राल और सदकनादू होते हुए यह सड़क विकसित होगी। इसके दोनों ओर फुटपाथ, साइकिल ट्रैक, ग्रीन पैच और सोलर लाइट लगाए जाएंगे। कंसल्टेंट चयन के लिए 8 सितंबर को टेंडर खुलेगा। इसमें चयनित एजेंसी को 45 दिनों के अंदर संबंधित प्रोजेक्ट का डीपीआर तैयार करना होगा। अगले एक साल के दौरान निर्माण करने की योजना है।

सुप्रीम कोर्ट ने पिछले दिनों अपने एक फैसले में सभी राज्यों को सड़क की डिजायन पैदल चलने वालों को ध्यान में रखकर तैयार करने का निर्देश दिया है। शीर्ष अदालत ने स्पष्ट कहा है कि सड़क के किनारे पैदल चलने वालों के लिए अलग पाथ वे बनाया जाना चाहिए और साइकिल से चलने वालों के लिए भी डेडिकेटेड लेन होना चाहिए। अदालत के आदेश को देखते हुए झारखंड में जितनी भी प्रस्तावित सड़कें है उसका निर्माण भी फुटपाथ-साइकिल ट्रैक को ध्यान में रखकर करने की योजना बनाई गई है।

रांची-द.अफ्रीका वनडे..:39,579 सीटों वाले स्टेडियम में 10,014 फ्री पास बांटे; जेएससीए को 2.08 करोड़ रुपए का नुकसान

रांची। झारखंड स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन (जेएससीए) के रांची इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में 30 नवंबर 2025 को हुए भारत-दक्षिण अफ्रीका वनडे मैच की टिकट बिक्री में वित्तीय अनियमितता का आरोप लगा है। शिकायतकर्ता का दावा है कि मैच में तय सीमा से 10,014 ज्यादा कॉम्प्लिमेंट्री (फ्री) पास बांटे गए। इससे जेएससीए को 2,08,13,500 रुपए के टिकट राजस्व का नुकसान हुआ। यह खुलासा बीसीसीआई लोकपाल और सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जस्टिस अरुण कुमार मिश्रा के समक्ष दाखिल शपथपत्र में हुआ है।

बीसीसीआई लोकपाल के 29 जुलाई 2026 के आदेश के पैरा 12 के अनुपालन में शिकायतकर्ता नंदू पटेल ने 18 अगस्त 2026 को शपथपत्र दाखिल किया। इसमें वनडे मैच के दौरान जेएससीए को दो करोड़ रुपए से अधिक की क्षति पहुंचने का दावा किया गया है।

दस्तावेज के मुताबिक स्टेडियम की क्षमता 39,579 सीट है। बीसीसीआई के नियम के अनुसार किसी मैच में अधिकतम 10% सीट ही कॉम्प्लिमेंट्री पास के रूप में दी जा सकती हैं। यानी 3,958 पास से ज्यादा नहीं बांटे जा सकते थे। पर आधिकारिक रिपोर्ट के अनुसार 13,972 पास बांटे गए। यह कुल क्षमता का 35.30% है और तय सीमा से करीब 3.5 गुना ज्यादा है। शिकायतकर्ता ने इसके लिए जेएससीए के सचिव सौरभ तिवारी, कोषाध्यक्ष अमिताभ घोष, उपाध्यक्ष और मैच के ऑफिशियल टिकट इंचार्ज रहे संजय पांडेय समेत अन्य को जिम्मेदार ठहराया है।

दस्तावेज के अनुसार जनता के लिए करीब 35,621 सीट यानी 90% सीट उपलब्ध होनी चाहिए थीं। पर सार्वजनिक बिक्री सिर्फ 22,271 टिकट की रही। यह स्टेडियम की कुल क्षमता का 56.26% है। शिकायत में अतिरिक्त कॉम्प्लिमेंट्री पास से 2,08,13,500 रु. राजस्व के नुकसान का दावा किया गया है। इसके अलावा 37,46,430 रु. जीएसटी व10,40,675 रु. एचईसी गेट लेवी के नुकसान का उल्लेख है।

सोडूको प्रश्न (उत्तर अगले अंक में प्रकाशित होगा)

9	4	6			8	5		
	8		5					
						8		
		2				4		
		5	3				8	
		3		7				
		8		2	4	7		1
	3			5			2	
		4	7					

पिछले अंक का उत्तर

1	9	4	8	3	5	7	6	2
7	3	2	4	1	6	9	8	5
8	5	6	9	7	2	3	1	4
6	2	5	7	4	3	8	9	1
3	8	1	5	2	9	6	4	7
4	7	9	6	8	1	5	2	3
5	1	7	2	6	8	4	3	9
9	6	3	1	5	4	2	7	8
2	4	8	3	9	7	1	5	6

चौखट पर हमारी
तुम्हारी
आने की आहट के
इशारे पास आए हैं।
मुश्किलों के बाद
आये सही वो
मंज़र और नज़ारे पास
आए हैं।।
ख्यालों से नहीं जाते
निकाले चर्चे समायत
के,
कि गिरते संभलते हम
खुद ही खुद में हारे पास
आए हैं।।

खराब मौसम से बेंगलुरू की फ्लाइट रद्द, 4 विमान लेट

रांची। खराब मौसम और ऑपरेशनल (परिचालन) कारणों से शुक्रवार को बिरसा मुंडा एयरपोर्ट से विमानों का संचालन बुरी तरह प्रभावित रहा। एक विमान के रद्द होने और कई उड़ानों में घंटों की देरी के चलते यात्रियों को भारी परेशानी और लंबे इंतजार का सामना करना पड़ा।

शाम 4 बजे बेंगलुरू से रांची आने और फिर रांची से बेंगलुरू रवाना होने वाली फ्लाइट को रद्द कर दिया गया। इसके अलावा दिल्ली, मुंबई, हैदराबाद और बेंगलुरू की कई नियमित उड़ानें अपने तय समय से काफी विलंब से रवाना हुईं। अचानक उड़ानें प्रभावित होने से कनेक्टिंग फ्लाइट्स पकड़ने वाले यात्रियों को भारी फजीहत झेलनी पड़ी।

मेंस हॉकी वर्ल्डकप- पेनल्टी शूटआउट में बेल्जियम से हारा भारत: टूर्नामेंट में आठवें स्थान पर रहा; हरमनप्रीत सिंह टीम के टॉप गोल स्कोरर रहे

बेल्जियम मैच के आखिरी मिनट तक 3-2 से आगे थी। मैच खत्म होने में 26 सेंकंड बाकी थे, तभी भारत को पेनल्टी कॉर्नर मिला। कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने इसे गोल में बदलकर मैच को शूटआउट में पहुंचाया, जहां टीम 3-4 से मुकाबला हार गई। कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने इस मैच में 2 गोल किए। वे टूर्नामेंट में 8 गोल के साथ भारत के टॉप स्कोरर रहे।

भारत का पहला गोल, फिर बेल्जियम की वापसी

अभिषेक ने छठे मिनट में गोल कर भारत को 1-0 की शुरुआती बढ़त दिलाई। हालांकि, बेल्जियम ने शानदार वापसी करते हुए 22वें और 23वें मिनट में दो गोल दागकर 2-1 की बढ़त बना ली।

हाफ टाइम के तुरंत बाद 31वें मिनट में कप्तान हरमनप्रीत ने पेनल्टी कॉर्नर से गोल दागकर स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया। इसके बाद 47वें मिनट में बेल्जियम के डी केरपेल ने गोल कर स्कोर 3-2 कर दिया।

शूटआउट में हरमनप्रीत गोल नहीं कर सके

शूटआउट में भारत के लिए शिलानंद लाकड़ा, दिलप्रीत सिंह और अभिषेक ने पहले 3 शॉट पर गोल किए। हालांकि भारत के लिए आखिरी 2 शॉट पर हरमनप्रीत और सुखजीत सिंह गोल नहीं कर सके।

वहीं बेल्जियम के लिए टॉम बून, आर्थर डी स्लोवर, अलेक्जेंडर हेंड्रिक्स और रोमन डुवेकोट ने गोल किए। विक्टर फोरबर्ट अपना प्रयास गोल में नहीं बदल सके।

अंतिम क्वार्टर में बेल्जियम के लाबुशेयर का तेज शॉट मैनप्रीत सिंह के चेहरे पर आंख के ऊपर लगा। वे गंभीर रूप से चोटिल होकर मैदान से बाहर चले गए। हालांकि पेनल्टी शूटआउट के दौरान वे मैदान पर वापस लौटे, लेकिन शॉट नहीं लिया।

भारतीय टीम 51 साल बाद वर्ल्डकप मेडल जीतने का सपना लेकर टूर्नामेंट में उतरी थी। भारत के लिए शुरुआत अच्छी रही। टीम ने पहले राउंड में वेल्स को 3-1 और पाकिस्तान को 5-3 से हराया, लेकिन इंग्लैंड के खिलाफ 2-4 से हार का सामना करना पड़ा।

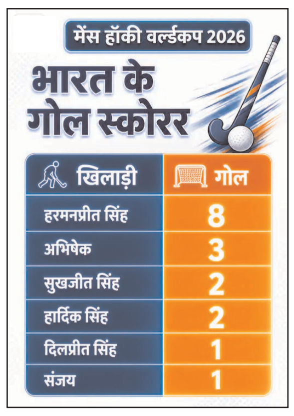

दूसरे राउंड में भारतीय टीम एक भी अंक हासिल नहीं कर सकी। टीम ने नीदरलैंड्स के खिलाफ आखिरी 19 मिनट में तीन गोल खाए और 1-3 से मुकाबला हार गई। इसके बाद अर्जेंटीना से मिली 3-5 से हार ने उसके सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीदें भी खत्म कर दी।

बिजनेस न्यूज

जियो के IPO को SEBI की मंजूरी: 27 करोड़ नए शेयर जारी करेगी कंपनी, सोना 1.60 लाख के पार

रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड की डिजिटल और टेलीकॉम शाखा जियो प्लेटफॉर्म्स लिमिटेड के IPO को बाजार नियामक SEBI से मंजूरी मिल गई है। 28 अगस्त को SEBI की ओर से मंजूरी मिलने के बाद जियो के शेयर बाजार में सूचीबद्ध होने की प्रक्रिया को बड़ी गति मिली है। कंपनी के प्रस्तावित IPO को देश के शेयर बाजार के सबसे बड़े सार्वजनिक निर्गमों में से एक माना जा रहा है।

जियो प्लेटफॉर्म्स अपने IPO के तहत करीब 27 करोड़ नए शेयर जारी कर सकती है। मंजूरी के बाद निवेशकों और बाजार विशेषज्ञों की नजर अब IPO की तारीख, प्राइस बैंड और अन्य महत्वपूर्ण विवरणों पर रहेगी। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के आधिकारिक पोर्टल पर भी जियो के ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रोस्पेक्टस का स्टेटस 'अप्रूव्ड' दिखाई देने लगा है।

दूसरी बड़ी खबर सर्राफा बाजार से रही। 28 अगस्त को सोने की कीमतों में तेज उछाल दर्ज किया गया। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 1,192 रुपए महंगा होकर करीब 1.60 लाख रुपए के स्तर पर पहुंच गया। सोने की बढ़ती कीमतों के बीच निवेशकों और आभूषण खरीदारों की नजर आगे के बाजार रुख पर बनी हुई है।

निवेशक अगले कारोबारी सत्र में घरेलू और वैश्विक संकेतों के आधार पर बाजार की दिशा पर नजर रखेंगे। जियो के IPO को मिली मंजूरी भी आने वाले दिनों में बाजार के लिए एक महत्वपूर्ण चर्चा का विषय रह सकती है।

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बदलाव नहीं

देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में फिलहाल कोई बदलाव नहीं किया गया है।

चांदी इस हफ्ते 2,738 सस्ती, 2.44 लाख पर आई: सोना 1,042 घटकर 1.60 पर आया

सोने-चांदी के दाम में इस हफ्ते गिरावट रही। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, एक किलो चांदी के दाम 2,738 रुपए गिरकर 2.44 लाख रुपए हो गया है। इससे पहले ये बीते हफ्ते यानी 21 अगस्त को 2.47 लाख रुपए पर थी।

वहीं, 10 ग्राम 24 कैरेट गोल्ड के दाम 1,60,620 रुपए से गिरकर 1,59,578 लाख रुपए पर आ गए हैं। यानी इसकी कीमत 1,042 रुपए कम हुई।

अलग-अलग शहरों में सोने के दाम अलग होने की 4 वजहें

ट्रांसपोर्टेशन और सिक्योरिटी: एक शहर से दूसरे शहर सोना ले जाने में ईंधन और सुरक्षा खर्च जुड़ता है, जिससे दूरी बढ़ने पर दाम बढ़ते हैं।

खरीदारी की मात्रा: दक्षिण भारत में ज्यादा खपत (करीब 40%) के कारण ज्वेलर्स बड़ी खरीद करते हैं, लेकिन छूट का फायदा सीमित रहता है।

लोकल ज्वेलरी एसोसिएशन: राज्य और शहर के ज्वेलरी एसोसिएशन स्थानीय मांग-सप्लाई के आधार पर रेट तय करते हैं।

पुराना स्टॉक और खरीद मूल्य: ज्वेलर्स का खरीदी रेट तय करता है कि वे ग्राहकों को कितनी कीमत में बेचेंगे।

ऑल टाइम हाई से 1.42 लाख रुपए गिरी चांदी

इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। 31 दिसंबर 2025 को सोने के दाम 1.33 लाख रुपए थे, जो 29 जनवरी को बढ़कर 1.76 लाख रुपए के सबसे ऊपरी स्तर पर पहुंच गए थे। तब से अब तक सोना 16,543 रुपए सस्ता हो चुका है।

वास्तु शास्त्र में, कामधेनु को शक्ति व ऊर्जा को बढ़ाने के लिए एक प्रतीक या वस्तु के रूप में उपयोग किया जाता है। यहां वास्तु शास्त्र में कामधेनु का उपयोग कैसे किया जा सकता है, उसके कुछ तरीके हैं :-

1. स्थान : अपने घर या कार्यालय के उत्तर-पूर्व दिशा में कामधेनु की मूर्ति या चित्र रखें। यह मान्यता है कि इससे सकारात्मक ऊर्जा का आमंत्रण होता है और इससे सौभाग्य और अनुकूलता बढ़ती है।

2. पूजा कक्ष : अपने पूजा कक्ष में एक छोटी सी कामधेनु मूर्ति या चित्र रखें। मान्यता है कि इससे धार्मिक रीति व पूजा के दौरान आशीर्वाद और सकारात्मक ऊर्जा आती है।

3. धन कोण : यदि आप वास्तु शास्त्र में धन कोण की संकल्पना का पालन करते हैं, तो अपने धन कोण के नजदीक कामधेनु रखने से वित्तीय समृद्धि और सौभाग्य आकर्षित हो सकते हैं।

4. उपहार : कामधेनु घर की गृहप्रवेश या किसी नए व्यापार की शुरुआत में एक आदर्श उपहार हो सकती है।

ध्यान दें, वास्तु शास्त्र एक कई सिद्धांतों का समन्वय है, और कामधेनु उनमें से केवल एक तत्व है। अपनी विशेष आवश्यकताओं और स्थान के आधार पर वास्तु विशेषज्ञ से परामर्श करना बेहतर होगा।

RAJ BHAWAN ROAD, CIVIL LINES, RAIPUR (C.G.) 492001

भारतीय विमेंस हॉकी टीम को 50 लाख का इनाम: हर प्लेयर को 2 लाख; वर्ल्ड कप में 52 साल बाद टॉप-5 फिनिश का रिवॉर्ड

हॉकी इंडिया ने विमेंस हॉकी टीम को ?50 लाख का इनाम देने का ऐलान किया है। गुरुवार को भारत ने वर्ल्ड कप में 52 साल बाद टॉप-5 में जगह बनाई थी। टीम ने नीदरलैंड के एम्सटेलवीन में जर्मनी को 3-1 से हराया था।

इनाम की राशि खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ के बीच बांटी जाएगी। टीम के हर खिलाड़ी को ?2 लाख, जबकि सपोर्ट स्टाफ के प्रत्येक सदस्य को ?1 लाख मिलेंगे।

हॉकी इंडिया के अध्यक्ष पद्मश्री डॉ. दिलीप टिर्की ने टीम के प्रदर्शन की तारीफ करते हुए उन्होंने कहा कि 52 साल बाद वर्ल्ड कप में पांचवें स्थान पर रहना भारतीय महिला हॉकी के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि है।

भारत ने दूसरे हाफ में 3 गोल किए

कप्तान सलीमा टेटे की अगुआई में भारत ने क्लासिफिकेशन मैच में वर्ल्ड नंबर-5 जर्मनी को 3-1 से हराया। पहले दो क्वार्टर गोलरहित रहे, लेकिन दूसरे हाफ में भारत ने तीन गोल दागकर मुकाबले पर पकड़ बना ली।

इशिका ने 42वें मिनट में पहला गोल किया। इसके बाद नवनीत कौर ने 44वें और 47वें मिनट में लगातार दो गोल कर भारत की बढ़त 3-0 कर दी। जर्मनी की लिन क्रिंग्स ने 58वें मिनट में एक गोल किया, लेकिन भारत ने 3-1 से मुकाबला जीत लिया।

1972 में चौथे स्थान पर रही थी

वर्ल्ड कप में भारत का इससे पहले सबसे अच्छा प्रदर्शन 1974 में आया था। तब टीम चौथे स्थान पर रही थी। इसके बाद 2026 में पांचवें स्थान पर रहकर भारत ने 52 साल बाद टॉप-5 में जगह बनाई।

पूरे टूर्नामेंट में सिर्फ एक हार

भारत ने टूर्नामेंट की शुरुआत चीन के खिलाफ 2-2 के ड्रॉ से की। इसके बाद साउथ अफ्रीका को 6-1 से हराया और इंग्लैंड के खिलाफ मुकाबला 0-0 से ड्रॉ रहा। पूल-ष्ठ में दूसरे स्थान पर रहकर टीम टॉप-8 में पहुंची।

टॉप-8 स्टेज में भारत को नीदरलैंड्स के खिलाफ 2-0 से हार मिली। इसके बाद सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जीत जरूरी थी, लेकिन यह मैच 0-0 से ड्रॉ रहा।

कप्तानी जाने पर पहली बार सूर्यकुमार बोले: डेढ़ महीने सोचता रहा ऐसा कैसे हुआ; लगा था ओलिंपिक और अगले टी-20 वर्ल्डकप में कप्तान रहूंगा

भारत के पूर्व टी-20 कप्तान सूर्यकुमार यादव ने पहली बार अपनी कप्तानी छिनने पर चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने कहा- 'मैं करीब डेढ़ महीने तक घर पर बैठकर यही सोचता रहा कि ऐसा कैसे हो सकता है।'

पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा के यूट्यूब चैनल पर बातचीत में सूर्यकुमार ने कहा- मैंने सोचा था कि 2028 लॉस एंजिल्स ओलिंपिक और अगले टी20 वर्ल्ड कप तक भारतीय टीम को संभालूंगा।'

अजित अगरकर की अगुआई वाली सिलेक्शन कमेटी ने टी-20 वर्ल्डकप 2026 जीतने के बाद सूर्यकुमार को कप्तानी से हटा दिया था। उनकी जगह श्रेयस अय्यर नए कप्तान बने। यहां तक आयरलैंड और इंग्लैंड की टीम में भी उन्हें शामिल नहीं किया गया। सिलेक्टर्स ने उनके खराब फॉर्म को इसकी वजह बताया।

सूर्यकुमार ने बताया कि टीम से बाहर किए जाने पर खुद को सिलेक्टर्स की जगह रखकर सोचा। समझने की कोशिश की कि वे उनसे आगे बढ़कर भविष्य के लिए नई टीम क्यों बनाना चाहते हैं।

उन्होंने कहा- 'जब मेरा नाम टीम में नहीं था, तब मैं मुस्कुराया। मैच के दौरान जब भी दबाव की स्थिति आई, मैंने खुद को शांत रखने की कोशिश की। मैंने सोचा नहीं था कि ऐसा होगा।' सूर्या ने खुद को मिले मौकों के लिए शुक्रिया भी कहा।

लॉर्ड्स टेस्ट में पाकिस्तान 110 रन पर ऑलआउट: बाबर आजम 8 रन ही बना सके; दूसरी पारी में इंग्लैंड-81/3, 261 रन की बढ़त हुई

लंदन। लॉर्ड्स टेस्ट के दूसरे दिन इंग्लैंड ने पाकिस्तान को पहली पारी में 110 रन पर समेट दिया। शुक्रवार को दिन का खेल खत्म होने तक इंग्लैंड ने दूसरी पारी में 3 विकेट पर 81 रन बनाए हैं। इस तरह मेजबान टीम की कुल बढ़त 261 रन हो गई है।

दूसरे टेस्ट में इंग्लैंड के लिए ओली रॉबिन्सन ने 4 और जोफ्रा आर्चर ने 3 विकेट लिए। जोश टंग को 2 विकेट मिले। पाकिस्तान की ओर से अजान अवैस ने सबसे ज्यादा 46 रन बनाए। कप्तान बाबर आजम 8 रन बनाकर आउट हुए।

इंग्लैंड 290 रन पर ऑलआउट

इंग्लैंड ने दूसरे दिन की शुरुआत 9 विकेट पर 248 रन से की। क्रीज पर गस एटकिंसन 45 और जोश टंग 30 रन बनाकर नाबाद थे। दोनों ने आखिरी विकेट के लिए 47 रन जोड़े और टीम का स्कोर 290 तक पहुंचाया। पाकिस्तान के मोहम्मद अब्बास ने 4 विकेट लिए, जबकि मोहम्मद अली को 3 विकेट मिले। अब्बास ने पहली पारी में जो रूट को 4 रन पर आउट किया था। इसके साथ उन्होंने फर्स्ट-क्लास क्रिकेट में 900 विकेट पूरे किए।

110 रन पर सिमटा पाकिस्तान, रॉबिन्सन ने 4 विकेट लिए

290 रन के जवाब में पाकिस्तान की बल्लेबाजी बुरी तरह लड़खड़ा गई। टीम 37.2 ओवर में सिर्फ 110 रन पर ऑलआउट हो गई। पाकिस्तान को एक बल्लेबाज कम के साथ उतरना पड़ा, क्योंकि इमाम-उल-हक बाएं पैर में काफ स्ट्रेन के कारण बल्लेबाजी के लिए नहीं उतरे। ओली रॉबिन्सन ने 4.2 ओवर में सिर्फ 11 रन देकर 4 विकेट लिए। जोफ्रा आर्चर ने 3 और जोश टंग ने 2 विकेट चटकाए। पाकिस्तान की ओर से अजान अवैस ने 46 रन बनाए। वे अपना अर्धशतक पूरा नहीं कर सके और रॉबिन्सन का शिकार बने। सऊद शकील ने भी कुछ देर टिकने की कोशिश की, लेकिन रॉबिन्सन ने उन्हें आउट कर दिया।

नामीबिया ने साउथ अफ्रीका को फिर हराया:ट्राई सीरीज में 18 रन से जीता, ट्रम्पेलमैन-स्मिट को 3-3 विकेट

विंडहोक। नामीबिया ने टी-20 इंटरनेशनल में साउथ अफ्रीका को दूसरी बार हरा दिया है। विंडहोक ग्राउंड में शुक्रवार को खेले गए ट्राई सीरीज के पहले मुकाबले में मेजबान टीम ने साउथ अफ्रीका को 18 रन से हराया। नामीबिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 9 विकेट पर 163 रन बनाए। जवाब में साउथ अफ्रीका 20 ओवर में 9 विकेट पर 145 रन ही बना सकी।

डेवाल्ड ब्रेविस ने 50 गेंदों पर 75 रन की शानदार पारी खेली, लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सके। नामीबिया के रूबेन ट्रम्पेलमैन और जेजे स्मिट ने 3-3 विकेट लिए। यह दक्षिण अफ्रीका पर नामीबिया की सिर्फ दूसरी टी-20 इंटरनेशनल जीत है और दोनों जीत पिछले 10 महीनों में आई हैं। इस ट्राई सीरीज में जिम्बाब्वे तीसरी टीम है।

फ्राइलिंक और स्टीनकैंप ने दिलाई तेज शुरुआत

साउथ अफ्रीका के कप्तान ब्योर्न फोर्टुइन ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी। नामीबिया के ओपनर यान फ्राइलिंक और लॉरेन स्टीनकैंप ने इस फैसले को गलत साबित करते हुए 84 रन की साझेदारी की। दोनों ने 9.4 ओवर में यह रन जोड़े।

फ्राइलिंक ने 38 गेंदों पर 60 रन बनाए। उनकी पारी में 6 चौके और 2 छक्के शामिल रहे। स्टीनकैंप ने 29 गेंदों पर 41 रन की पारी खेली। नामीबिया 15वें ओवर में 133 रन तक पहुंच चुका था, लेकिन इसके बाद अफ्रीका के गेंदबाजों ने वापसी की।

टीम ने आखिरी 5 ओवर में सिर्फ 30 रन देकर 6 विकेट लिए। प्रेनेलन सुब्रायेन ने 3 विकेट लिए, जबकि फोर्टुइन ने 2 विकेट हासिल किए। इस दौरान नामीबिया ने 116/1 से 133/5 तक पहुंचते हुए 22 गेंदों में 4 विकेट गंवा दिए।

आखिर में कप्तान गेरहार्ड इरास्मस ने 19, एलेक्जेंडर बुसिंग-वोल्शेंक ने 13 और ट्रम्पेलमैन ने 12 रन बनाकर टीम को 163/9 तक पहुंचाया।

164 रन का पीछा करते हुए अफ्रीका की शुरुआत खराब रही। जॉर्डन हरमन 7 और लुआन-ड्रे प्रिटोरियस 9 रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद भी विकेट गिरते रहे और 86 रन के स्कोर पर टीम 5 विकेट गंवा चुकी थी।

डेवाल्ड ब्रेविस ने एक छोर संभाले रखा। उन्होंने 50 गेंदों पर 75 रन बनाए, जिसमें 5 छक्के और 4 चौके शामिल थे। ब्रेविस और डुयान यानसन ने छठे विकेट के लिए 47 रन जोड़े।

ब्रेविस के आउट होने के समय साउथ अफ्रीका को आखिरी 13 गेंदों पर 31 रन चाहिए थे। ट्रम्पेलमैन ने 18वें ओवर में ब्रेविस को आउट कर नामीबिया की जीत लगभग तय कर दी।

बिहान से बहनों को मिला आर्थिक संबल, खीरे की खेती से सुभद्रा मंडल ने लिखी आत्मनिर्भरता की नई कहानी

रायपुर। ग्रामीण महिलाओं को स्व-सहायता समूहों से जोड़कर उन्हें आर्थिक गतिविधियों से जोड़ने और आत्मनिर्भरता की राह पर आगे बढ़ाने में छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। बिहान से जुड़ने के बाद महिलाओं को समूह के माध्यम से ऋण और आवश्यक सहयोग उपलब्ध हो रहा है, जिसका उपयोग वे कृषि, पशुपालन, मछली पालन, सब्जी उत्पादन सहित विभिन्न आजीविका गतिविधियों में कर रही हैं। इससे ग्रामीण महिलाओं के लिए रोजगार और आय के नए अवसर तैयार हो रहे हैं।

इसी बदलाव की प्रेरक कहानी है अम्बिकापुर विकासखंड के ग्राम पंचायत सकालो की रहने वाली श्रीमती सुभद्रा मंडल की। काली माँ स्व-सहायता समूह से जुड़ने के बाद सुभद्रा ने समूह के माध्यम से 1 लाख रुपए का ऋण लिया और इस राशि का उपयोग कर एक एकड़ भूमि में खीरे की खेती शुरू की। खेती के इस प्रयास के साथ उन्होंने अपनी आय बढ़ाने और परिवार को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है।

पूंजी की कमी बनी थी खेती के विस्तार में बाधा

सुभद्रा मंडल बताती हैं कि पहले आर्थिक संसाधनों की कमी के कारण वे खेती-बाड़ी को बड़े स्तर पर नहीं कर पाती थीं। परिवार की आमदनी सीमित थी और रोजमर्रा की आवश्यकताओं को पूरा करने के बाद खेती में निवेश के लिए पर्याप्त पूंजी उपलब्ध नहीं हो पाती थी।

वे बताती हैं कि खेती को आय के अतिरिक्त और स्थायी साधन के रूप में विकसित करने की इच्छा थी, लेकिन पूंजी के अभाव में यह संभव नहीं हो पा रहा था। ऐसे समय में बिहान से जुड़ना उनके लिए नई उम्मीद लेकर आया।

बिहान से मिला आर्थिक सहयोग, खेती को मिला विस्तार

सुभद्रा ने बताया कि स्व-सहायता समूह से जुड़ने के बाद उन्हें अपनी आर्थिक गतिविधि को आगे बढ़ाने का अवसर मिला। समूह के माध्यम से ऋण सुविधा प्राप्त होने पर उन्होंने कृषि को आजीविका का साधन बनाने का निर्णय लिया और एक एकड़ में खीरे की खेती शुरू की।

वे कहती हैं कि ऋण ने उन्हें केवल खेती शुरू करने के लिए पूंजी ही उपलब्ध नहीं कराई, बल्कि अपने दम पर कुछ करने का आत्मविश्वास भी दिया। अब वे अपनी मेहनत से उत्पादन बढ़ाकर परिवार की आय में योगदान देने की दिशा में आगे बढ़ रही हैं।

सुभद्रा मंडल का कहना है कि खीरे की खेती से प्राप्त होने वाली आमदनी से परिवार की आर्थिक जरूरतों को पूरा करने में मदद मिलेगी। साथ ही भविष्य में खेती से होने वाले लाभ को दोबारा आजीविका गतिविधियों में निवेश कर आय के स्थायी साधन को और मजबूत करने की योजना है। उन्होंने कहा कि उनका लक्ष्य अपनी मेहनत और निरंतर प्रयासों से आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनना तथा 'लखपति दीदी' बनने की दिशा में आगे बढ़ना है। उनके लिए खेती अब केवल पारंपरिक कार्य नहीं, बल्कि परिवार की आय बढ़ाने और बेहतर भविष्य तैयार करने का माध्यम बन गई है।

सुभद्रा मंडल ने बिहान योजना से जोड़ने और आजीविका गतिविधि शुरू करने के लिए ऋण सुविधा उपलब्ध कराने पर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि बिहान से जुड़ने के बाद उन्हें आर्थिक गतिविधि शुरू करने और अपनी मेहनत को आय के अवसर में बदलने का रास्ता मिला है। उन्होंने कहा कि समूह के माध्यम से मिला आर्थिक सहयोग उनके लिए आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ने का महत्वपूर्ण आधार बना है। अब वे खेती के माध्यम से अपनी आय बढ़ाने और परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने के लिए निरंतर प्रयास कर रही हैं।

बिलासपुर में पुराने विवाद ने लिया हिंसक रूप, पथराव-तोड़फोड़ के बाद धारा 144 लागू

बिलासपुर। शहर के सिटी कोतवाली चौक और खपरगंज इलाके में पुराने विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच हुआ विवाद देखते ही देखते हिंसक झड़प में बदल गया। कोतवाली, मसानगंज, खपरगंज और गोल बाजार क्षेत्र में जमकर पथराव और तोड़फोड़ हुई। स्थिति को नियंत्रित करने पहुंची पुलिस टीम पर भी उपद्रवियों ने पथराव कर दिया, जिसमें थाना प्रभारी समेत तीन पुलिसकर्मी घायल हो गए। हालात को देखते हुए प्रशासन ने इलाके में धारा 144 लागू कर दी है और सुरक्षा के लिए 300 से 400 अतिरिक्त जवान तैनात किए गए हैं।

पत्थरबाजी से रणक्षेत्र बना इलाका

जानकारी के मुताबिक, विवाद की शुरुआत दो लोगों के बीच पुराने झगड़े को लेकर हुई। इसी दौरान एक व्यक्ति ने दूसरे पर पत्थर से हमला कर दिया। घायल व्यक्ति ने फोन कर अपने समर्थकों को मौके पर बुलाया। इसके बाद खपरगंज क्षेत्र में बड़ी संख्या में लोग जुट गए और देखते ही देखते दोनों पक्षों के बीच पथराव शुरू हो गया।

दोनों ओर से ईंट-पत्थर चलने लगे, जिसके चलते सिटी कोतवाली चौक समेत आसपास का इलाका कुछ समय के लिए रणक्षेत्र में तब्दील हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और भीड़ को नियंत्रित करने का प्रयास किया। स्थिति बिगड़ने पर पुलिस बल ने उपद्रवियों को खदेड़कर हालात पर काबू पाने की कोशिश की। बिलासपुर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह के मुताबिक, झड़प में दोनों पक्षों के तीन लोग घायल हुए हैं। वहीं, स्थिति को नियंत्रित करने के दौरान तोरवा और तारबाहर थानों के टीआई समेत कुछ पुलिसकर्मी भी पथराव की चपेट में आकर घायल हुए हैं।

बवाल के दौरान सड़क किनारे खड़े वाहनों को भी निशाना बनाया गया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार दो दर्जन से अधिक वाहन क्षतिग्रस्त हुए हैं। दोनों पक्षों के कई लोगों को चोटें आने की भी जानकारी सामने आई है।

300 से 400 अतिरिक्त जवान तैनात

शहर की कानून-व्यवस्था को देखते हुए जिले के अलग-अलग थानों से करीब 300 से 400 अतिरिक्त पुलिस जवान बुलाकर संवेदनशील क्षेत्रों में तैनात किए गए हैं। कोतवाली, मसानगंज, खपरगंज और गोल बाजार क्षेत्र में पुलिस की मौजूदगी बढ़ा दी गई है। प्रशासन और पुलिस अधिकारी लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं, ताकि दोबारा किसी तरह का तनाव या हिंसा न हो।

पुलिस अब उपद्रव में शामिल लोगों की पहचान के लिए सीसीटीवी फुटेज, ड्रोन कैमरों और अन्य उपलब्ध साक्ष्यों को खंगाल रही है। एसएसपी रजनेश सिंह ने स्पष्ट किया है कि वीडियो फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर उपद्रवियों की पहचान की जाएगी और दोषियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई होगी।

उन्होंने दोटूक कहा कि कानून-व्यवस्था बिगाड़ने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा।

छत्तीसगढ़ में मानसून औसतन 100% से अधिक बारिश दर्ज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में इस मानसून सीजन में बारिश की स्थिति बेहद संतोषजनक बनी हुई है। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग के राज्य स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष द्वारा जारी वर्षा रिपोर्ट के अनुसार, 1 जून 2026 से 28 अगस्त 2026 तक राज्य में औसतन 855.9 मि.मी. बारिश दर्ज की जा चुकी है, जो कि बीते 10 वर्षों के औसत 849.3 मि.मी. की तुलना में 100.8 प्रतिशत है। अकेले 28 अगस्त को ही प्रदेश भर में औसतन 6.4 मि.मी. बारिश दर्ज की गई। राज्य के विभिन्न संभागों और जिलों में बारिश का वितरण काफी विविधतापूर्ण रहा है, जहाँ कुछ जिलों में रिकॉर्ड तोड़ वर्षा हुई है वहीं कुछ इलाकों में अब भी मानसून की गति थोड़ी धीमी बनी हुई है। सरगुजा संभाग की बात करें तो बलरामपुर जिले में मानसून की सबसे अधिक मेहरबानी देखने को मिली है, जहाँ औसत की तुलना में 157.7 प्रतिशत यानी 1164.4 मि.मी. बारिश हो चुकी है।

'विकसित भारत' की मजबूत नींव है युवा और खेल शक्तिः सांसद बृजमोहन अग्रवाल, खेलो इंडिया संवाद में युवाओं को किया प्रेरित

रायपुर। रायपुर लोकसभा सांसद एवं वरिष्ठ जननेता बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि विकसित भारत के निर्माण में युवा शक्ति और खेलों की महत्वपूर्ण भूमिका है. उन्होंने युवाओं से खेलों से जुड़ने, अनुशासन अपनाने और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया.

सांसद अग्रवाल गुरुवार को एम्स रायपुर के ऑडिटोरियम में आयोजित 'खेलो इंडिया संवाद' कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए. इस दौरान उन्होंने हजारों युवाओं और खिलाड़ियों के साथ वर्चुअल माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संबोधन सुना. कार्यक्रम के बाद उन्होंने युवाओं से संवाद कर उनके सुझाव, आकांक्षाएं और विचार भी जाने.

युवाओं की आवाज से बन रही नीतियां

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि भारत आज अपनी युवा शक्ति के दम पर वैश्विक स्तर पर नई पहचान बना रहा है. उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार युवाओं के साथ संवाद को प्राथमिकता दे रही है और उनकी अपेक्षाओं एवं सुझावों को नीतियों में स्थान दिया जा रहा है.

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय युवा मामले एवं खेल मंत्री मनसुख मांडविया के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि युवाओं की भागीदारी से खेल और विकास से जुड़ी नीतियों को अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है.

खेल सिखाता है अनुशासन और नेतृत्व

अग्रवाल ने कहा कि खेल केवल जीत और पदक तक सीमित नहीं हैं. खेल व्यक्ति में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, फिटनेस और खेल भावना विकसित करता है. मैदान में नियमों और निर्णायक के फैसले का सम्मान करने की आदत जीवन के अन्य क्षेत्रों में भी अनुशासन बनाए रखने में मदद करती है.

उन्होंने कहा कि यदि खेल भावना और अनुशासन राजनीति तथा सामाजिक जीवन में भी आए, तो भारत को विश्व गुरु बनने से कोई नहीं रोक सकता.

सांसद खेल महोत्सव में 80 हजार लोगों की भागीदारी

छत्तीसगढ़ में खेल गतिविधियों के विस्तार की चर्चा करते हुए सांसद ने ट्राइबल गेम्स का उल्लेख किया. उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से ग्रामीण और वनांचल क्षेत्रों की प्रतिभाओं को सामने आने का अवसर मिल रहा है. उन्होंने बताया कि रायपुर लोकसभा क्षेत्र में आयोजित 'सांसद खेल महोत्सव' में करीब 80 हजार लोगों की भागीदारी हुई. महोत्सव में पारंपरिक और ग्रामीण खेलों को भी शामिल किया गया था. अलग-अलग आयु वर्गों के लिए प्रतियोगिताएं आयोजित कर समाज के अधिक से अधिक लोगों को खेलों से जोड़ने का प्रयास किया गया.

नशामुक्त समाज का किया आह्वान

बृजमोहन अग्रवाल ने युवाओं से नशे जैसी सामाजिक बुराइयों से दूर रहने और समाज को नशामुक्त बनाने में सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की. उन्होंने कहा कि प्रत्येक नागरिक को अपने स्वास्थ्य और देश के गौरव के लिए किसी न किसी खेल से जरूर जुड़ना चाहिए.

कार्यक्रम में एम्स रायपुर के कार्यकारी निदेशक लेफ्टिनेंट जनरल अशोक जिंदल, विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी, खेल जगत से जुड़े लोग, मीडिया प्रतिनिधि और बड़ी संख्या में युवा खिलाड़ी उपस्थित रहे.

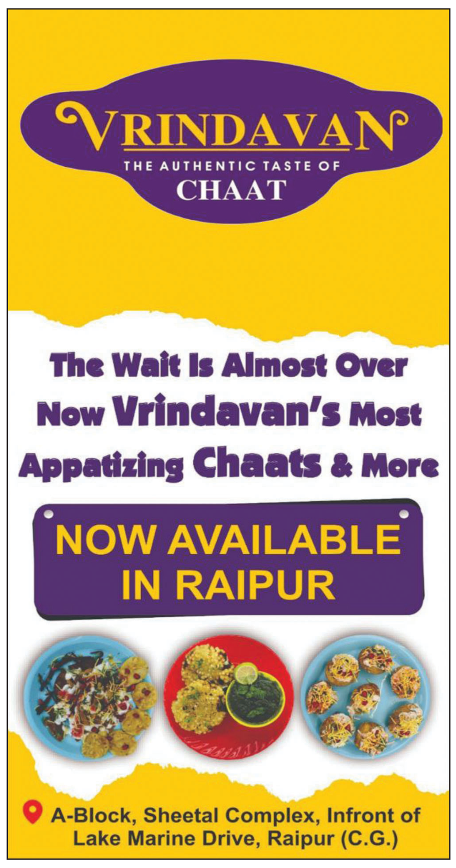

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक - **करण सिंह होरा** द्वारा आसमां पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड. जयस्तंभ चौक रायपुर, जिला-रायपुर (छत्तीसगढ़) से मुद्रित कर लक्ष्मी निवास नल घर चौक, अहमद जी भाई कालोनी रायपुर, जिला रायपुर (छत्तीसगढ़) पिन-492001 से प्रकाशित. **संपादक- करन सिंह होरा** मो. - 9669000000 CHHBIL/2023/88684